RAJHIN/2016/70516 Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रुबरु

# स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्ष-10 अंक-244 जयपुर, सोमवार, 02 मार्च 2026 मूल्य-4 रुपये

# अमेरिका-इजराइल के हमले में ईरानी सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत

## नेतनयाहू ने कहा- अभी और हमले करेंगे, ट्रम्प बोले- ईरान की टॉप लीडरशिप खत्म

तेल अवीव/तेहरान

इजराइल और अमेरिका के ईरान पर लगातार दूसरे दिन भी हमले जारी हैं। रविवार को ईरानी इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (ढ्ढ्रस्ष्ट) का हेडक्वार्टर निशाने पर रहा। इससे पहले शनिवार को ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को कहा कि इन हमलों में 48 ईरानी 'नेता' मारे गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिका ने ईरान के 9 जहाज डुबो दिए हैं।

इजराइली वायुसेना ने बताया कि उसने अमेरिका के साथ मिलकर पिछले 24 घंटे में ईरान पर 1,200 से ज्यादा बम गिराए हैं। खामेनेई के ऑफिस कॉम्प्लेक्स पर 30 मिसाइलों से हमला किया गया। इसमें उनकी बेटी-दामाद, बहू और पोती समेत कॉम्प्लेक्स में मौजूद 40 कमांडर्स भी मारे गए हैं।

खामेनेई के मारे जाने पर ईरान में 40 दिन का राजकीय शोक और सात दिन की छुट्टी घोषित कर दी गई है। ईरानी सेना ने इजराइल समेत मिडिल-ईस्ट के कई देशों में हमले शुरू कर दिए हैं। इजराइल में एक हमले में 9 लोगों की मौत हो गई है। तीन अमेरिकी सैनिकों की मौत भी हो गई है।

### पीएम मोदी ने नेतन्याहू से कहा- भारत दुश्मनी जल्द खत्म करने के पक्ष में

पीएम नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने लिखा- 'मैंने मौजूदा हालात पर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बात की। मैंने हाल के घटनाक्रमों पर भारत की चिंता बताई, और इस बात पर जोर दिया कि नागरिकों की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है। भारत दुश्मनी को जल्द खत्म करने की जरूरत पर फिर से जोर देता है। '

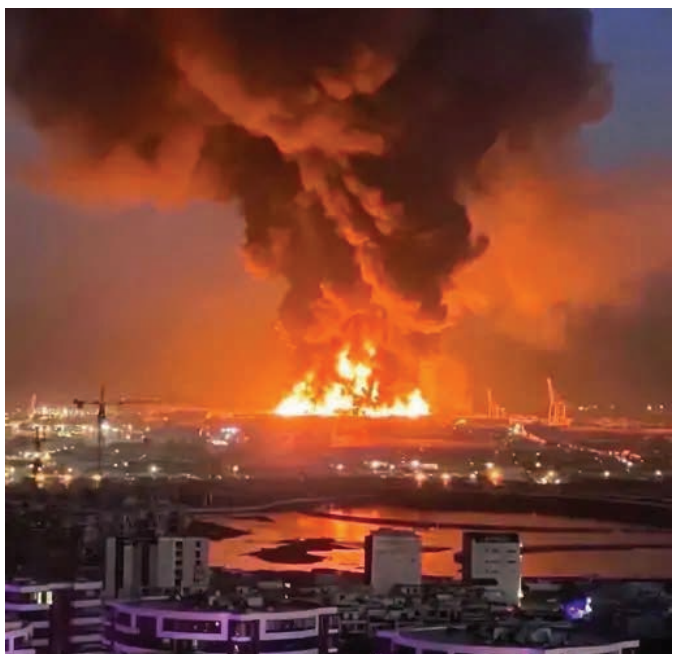

### ईरान का पलटवार- इजराइल समेत 9 देशों पर हमला

ईरान ने जवाब में इजराइल समेत मिडिल-ईस्ट के 9 देशों पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए। उसने कतर, कुवैत, जॉर्डन, बहरीन, सऊदी अरब व यूएई में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को भी निशाना बनाया। यूएई के सबसे ज्यादा आबादी वाले शहर दुबई के पाम होटल एंड रिसोर्ट और बुर्ज खलीफा के पास ड्रोन हमला किया।

### ईरान में 200 की मौत, 740 घायल

इजराइल और अमेरिका ने ईरान की राजधानी तेहरान समेत 10 बड़े शहरों को निशाना बनाया है। इनमें 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 740 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। एक स्कूल पर मिसाइल गिरने से 148 छात्राओं की मौत हो गई और 45 घायल हैं।



### ईरान ने इराक में अमेरिकी बेस पर हमला किया

ईरान ने इराक के एरबिल में अमेरिकी मिलिट्री बेस पर ड्रोन हमला किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, ड्रोन ने गोला-बारूद के गोदाम को निशाना बनाया। इसके बाद कई धमाके हुए और घटनास्थल पर बड़ी आग लग गई। हमले के बाद इलाके से घना धुआं उठता देखा गया। फिलहाल किसी नुकसान की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और अमेरिकी रक्षा विभाग की ओर से बयान का इंतजार है।

### ईरान ने मस्जिद पर इंतकाम का झंडा फहराया

ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की मौत के बाद जामकरान मस्जिद पर लाल 'इंतकाम का झंडा' फहराया गया है। ईरानी शिया परंपरा में लाल झंडा शहादत और बदले का प्रतीक माना जाता है। जब किसी बड़े धार्मिक या राजनीतिक नेता की हत्या होती है, तो लाल झंडा फहराना इस बात का संकेत होता है कि 'खून का बदला लिया जाएगा। '

### खामेनेई के बेटे बन सकते हैं ईरान के नए सुप्रीम लीडर

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि देश में एक-दो दिन के भीतर नए सुप्रीम लीडर का चयन हो सकता है। ईरान की सरकारी मीडिया 'फार्स' समेत कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनके बेटे मुजतबा खामेनेई इस पद पर चुने जा सकते हैं। उन्हें पिछले 2 साल से सुप्रीम लीडर बनाने की तैयारी चल रही थी।

खामेनेई ने अपने दूसरे बेटे मुजतबा खामेनेई को साल 2024 में उत्तराधिकारी बनाया था। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान की एक्सपर्ट असेंबली ने 26 सितंबर 2024 को ही नए सुप्रीम लीडर का चुनाव कर लिया था। खामेनेई ने असेंबली के 60 सदस्यों को बुलाकर गोपनीय तरीके से उत्तराधिकारी पर फैसला लेने कहा था। खामेनेई की मौत के बाद अब मुजतबा सार्वजनिक रूप से सुप्रीम लीडर के दावेदार के तौर पर सामने आ सकते हैं।

### ट्रम्प बोले- ईरान के 9 नौसैनिक जहाज डुबोए

ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिकी सेना ने ईरान के 9 नौसैनिक जहाजों को नष्ट कर समुद्र में डुबो दिया है। सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा कि इनमें कुछ बड़े और अहम जहाज भी शामिल हैं। ट्रम्प ने यह भी कहा कि बाकी जहाजों को भी निशाना बनाया जा रहा है। ईरान की ओर से भी इस पर कोई तत्काल बयान सामने नहीं आया है।

### अमेरिका ने एयरक्राफ्ट कैरियर पर हमले के दावे को खारिज किया

अमेरिका ने स्स अब्राहम लिंकन पर ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड के मिसाइल हमले के दावे को खारिज कर दिया है। एक अमेरिकी अधिकारी ने अल जजीरा से कहा कि ईरानी मिसाइल विमानवाहक पोत तक नहीं पहुंची और जहाज को कोई नुकसान नहीं हुआ। इससे पहले ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड ने दावा किया था कि उसने चार बैलिस्टिक मिसाइलों से इस विमानवाहक पोत को निशाना बनाया।

## पटियाला लॉ यूनिवर्सिटी से राजीव गांधी का नाम हटेगा

पटियाला

पटियाला की राजीव गांधी नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी का नाम बदला जा सकता है। इसमें से राजीव गांधी का नाम हटाने का प्रस्ताव किया जा रहा है। नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी की अकादमिक काउंसिल ने विश्वविद्यालय के नाम से पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का नाम हटाने का प्रस्ताव पारित किया है। यह प्रस्ताव अब मैनेजमेंट बोर्ड को भेजा जाएगा। वहां से स्वीकृति मिलने के बाद अंतिम निर्णय के लिए मामला पंजाब सरकार के पास जाएगा।

विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 2006 में पंजाब अधिनियम के तहत हुई थी। राज्य तब कांग्रेस की सरकार थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री कैप्टन अमरेंदर सिंह ने विधान सभा प्रस्ताव पारित कर इसकी स्थापना की थी। अब इसका नाम बदला जाएगा। इस फैसले को लेकर विरोध और समर्थन का दौर भी शुरू हो गया है।

## राजस्थान के स्टूडेंट्स-कारोबारी हमले के बीच दुबई-अबूधाबी में फंसे

### बोले- धमाके हो रहे हैं; अजमेर में शोक का ऐलान, जयपुर से उड़ानें कैंसिल, एडवाइजरी जारी

कोटा/जोधपुर/जयपुर

ईरान के यूएई और दुबई में हमला करने के कारण फ्लाइट्स कैंसिल हो गई हैं। इस कारण राजस्थान के जोधपुर, कोटा, सीकर के 100 से ज्यादा स्टूडेंट और अन्य लोग फंस गए हैं। शनिवार को अचानक एयरस्पेस बंद होने से इनकी फ्लाइट कैंसिल हो गई। इन्हें तुरंत एयरपोर्ट से सुरक्षित होटल्स भेजा गया। इस दौरान दुबई और अबू धाबी एयरपोर्ट के पास धमाके भी सुनाई दिए। सभी ने भारत सरकार से इन्हें सुरक्षित निकालने की मांग की है। वहीं, अजमेर में शिया समुदाय ने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर 3 दिन के शोक का ऐलान किया है। जयपुर एयरपोर्ट ने पैसेंजर्स के लिए एडवाइजरी जारी की है। खाड़ी देशों में जाने वाली फ्लाइट्स भी कैंसिल हुई हैं।

जोधपुर के 120 श्रद्धालु अबू धाबी में फंसे हैं। ये सभी लोग बड़ा रामद्वारा सूरसागर के संत अमृतराम महाराज की कथा सुनने के लिए दुबई गए थे। महाराज की 24 से 28 फरवरी तक दुबई में कथा थी। कथा 28 फरवरी को खत्म हुई थी। शनिवार को सभी अबू धाबी एयरपोर्ट पहुंचे। वहां पहुंचने के बाद उन्हें उड़ान रद्द होने की सूचना मिली। जोधपुर के कारोबारी गजेंद्र महिया दोस्तों के साथ दुबई में फंसे हैं। वे 23 फरवरी को दुबई घूमने गए। रविवार को उनकी वापसी की फ्लाइट थी, लेकिन कैंसिल हो गई।

दुबई में फंसे कोटा के स्टूडेंट सिद्धार्थ जैन ने बताया कि वे दुबई के एकेडमी एजुकेशनल जोन में हैं और एक हॉस्टल में ठहरे हुए हैं। उनके हॉस्टल के पास ही मिसाइल से हमला हुआ है। सिद्धार्थ ने दुबई से दोस्त के साथ फोटो और वीडियो भेजा। उसने बताया- जहां हम ठहरे हुए हैं। वहां थोड़ी-थोड़ी देर में धमाके हो रहे हैं। वहीं, कोटा की ही एक स्टूडेंट तान्या भी अबू धाबी में फंस गई हैं। वे कनाडा से इंडिया आ रही थी। उनके पिता ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मदद मांगी है।

### दुबई के जबल अली पोर्ट पर फिर हुए धमाके

दुबई के जबल अली पोर्ट पर फिर से धमाके हुए हैं। डीडवाना कुचामन जिले के रहने वाले राजेश कड़वासरा ने धमाकों का वीडियो भेजा है। यहां ईरान की तरफ से 7 से 8 मिसाइल दागी गई है। यह हमले अभी-अभी हुए हैं।

संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में ट्रक ड्राइवर हरी कड़वासरा निवासी नागौर ने बताया- कल से ही हमें काम से छुट्टी दे दी गई थी। एक रूम में हम 3 लोग हैं। हमारे आसपास कोई घटना नहीं हुई है। 50 किमी दूर हमले हुए हैं, फिर भी हमें सुरक्षित घरों में ही रहने का आदेश मिला है।

दुबई में तेज धमाकों से दहल उठा इलाका

डीडवाना-कुचामन के लाडनूं निवासी निर्मल ठोलिया ने बताया- दुबई के जबलाली पार्क क्षेत्र में कल रात कई मिसाइलें गिरीं। तेज धमाकों के साथ आसपास का इलाका दहल उठा और काफी नुकसान हुआ।

## महाराष्ट्र के नागपुर में बारूद कंपनी में ब्लास्ट,17 की मौत

नागपुर (महाराष्ट्र)

महाराष्ट्र में नागपुर जिले के राउलगांव स्थित गोला-बारूद निर्माण कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड में रविवार सुबह करीब 7 बजे धमाका हो गया।

हादसे में 17 कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि 18 घायल हो गए। घायलों में से कई की हालत गंभीर है। हादसे की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंची। फैक्ट्री में लगी आग पर काबू पाने की कोशिश जारी है।

फायर ब्रिगेड ने बताया कि ब्लास्ट से कंपनी में चारों तरफ मलबा फैल गया है। मलबे में दबे कुछ कर्मचारियों को निकाला गया है। 15 घायलों को नागपुर के अस्पताल ले जाया गया है। वहीं पीएम मोदी ने घटना पर शोक जताया, साथ ही मृतकों के परिजन को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार की सहायता राशि देने की घोषणा की।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ट्वीट कर कहा- एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें भी घटनास्थल पर मौजूद हैं।

17 लोगों ने अपनी जान गंवाई है। मैं मृतकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। इस घटना में 18 लोग घायल हुए हैं। घायलों को तुरंत नागपुर ले जाया गया है। आपातकालीन आदेश जारी कर दिए गए हैं।

# कोर्ट का फैसला भाजपा के मुंह पर तमाचा:केजरीवाल

## हमें खत्म करने के लिए मोदी खुद इस केस की मॉनिटरिंग कर रहे थे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आम आदमी पार्टी (आआपा) के नेताओं ने रविवार को जंतर-मंतर पर जनसभा करके भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और दिल्ली सरकार को घेरा। आआपा के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जनसभा को संबोधन करते हुए कहा कि देश में इस समय डर का माहौल है और उसके बावजूद जज साहब ने देश के हक में धाकड़ फैसला सुनाया, उसके लिए वे जज साहब का शुक्रिया अदा करते हैं।

उन्होंने कहा कि वे भारत मां से प्यार करता हैं और अपना पूरा जीवन देश की सेवा और विकास के लिए समर्पित कर दिया। जब वे आयकर विभाग में कमिश्नर थे तो वहां भी उनकी ईमानदारी के चर्चे होते थे, उनकी ईमानदारी की कसमें खाई जाती थीं। इसके बाद जब वे दिल्ली का मुख्यमंत्री बने, उस दौरान भी उन्होंने किसी से भी एक पैसा नहीं लिया और पूरी ईमानदारी से काम किया।

केजरीवाल ने कहा कि देश की जनता कांग्रेस से परेशान हो गई थी और लोगों ने बड़ी उम्मीदों से मोदीजी की सरकार बनाई थी। लेकिन कुछ नहीं सुधरा बल्कि और भी ज्यादा बर्बाद कर दिया है। पूरे देश में पेपर लीक हो रहे हैं और प्रधानमंत्री मोदी परीक्षा पर चर्चा कर रहे हैं। केजरीवाल ने कहा कि उन्हें गिरफ्तार करके पूरे देश को संदेश देना चाहा कि अगर ईमानदारी से काम करोगे तो अरविंद केजरीवाल जैसा हाल होगा। आआपा ने देश के बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों को उम्मीद दी और भाजपा को इससे डर लग गया



था, इसलिए उन्हें जेल में डाला गया। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में एक साल पहले भाजपा की सरकार आई थी और उसके भुक्त भोगी यहां मौजूद हैं। इन्होंने रैलियों में बड़े-बड़े जुमले दिए थे। लेकिन अब इन्होंने हजारों लोगों की नौकरियां छीन ली हैं।

आम आदमी पार्टी नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि अरविंद केजरीवाल और उनकी सेना काजल की काल कोठरी से बिना किसी दाग लगे बाहर आई। उन्होंने कहा केजरीवाल के हौसले को सलाम करने के लिए जंतर-मंतर पर आआपा की सेना उमड़ पड़ी है। आज पूरा देश कह रहा है कि अरविंद केजरीवाल और आआपा कट्टर ईमानदार हैं। आआपा ने जंतर-मंतर से चलकर दिल्ली, पंजाब, गोवा, गुजरात, मध्य प्रदेश और जम्मू-कश्मीर समेत देशभर में ऐतिहासिक काम कर रही है।

आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने कहा कि अरविंद केजरीवाल सरकार ने लोगों को फ्री बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाएं दीं। दिल्ली में शानदार सरकारी स्कूल, अस्पताल और मोहल्ला क्लीनिक बनवाए। उन्होंने कहा कि भाजपा को आआपा की 'काम की राजनीति' से डर लगने लगा। उन्हें एहसास हो गया कि इससे उनकी नफरत की राजनीति खत्म हो जाएगी और इसीलिए उन्होंने हमारे ऊपर तमाम आरोप लगाना शुरू कर दिए।

दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा कि आआपा ने देश की राजनीति को बदलकर दिखाया है और शिक्षा, स्वास्थ्य, आम मुद्दों तथा ईमानदारी व काम की राजनीति की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हमारी राजनीति से डरकर हमारे नेताओं पर बेईमान होने का झूठा और फर्जी आरोप लगाया गया। लेकिन अब कोर्ट ने ठप्पा लगा दिया कि अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया और आम आदमी पार्टी कट्टर ईमानदार हैं।

## प्रधानमंत्री ने मदुरै में परियोजनाओं का किया उद्घाटन-शिलान्यास

मदुरै (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री मोदी ने तमिलनाडु के मदुरै में 4,400 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में केंद्र सरकार ने तमिलनाडु के राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के विकास में व्यापक निवेश किया है। वर्ष 2014 के बाद राज्य में 4,000 किमी से अधिक राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया है, जिससे औद्योगिक गतिविधियों को मजबूती मिली। उन्होंने कहा बेहतर सड़क संपर्क से कृषि व समुद्री उत्पादों के परिवहन में तेजी आएगी। मोदी ने राज्य की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर जोर देते हुए



कहा कि आदिचनल्लूर जैसे ऐतिहासिक स्थलों को वैश्विक विरासत गंतव्य के रूप में विकसित किया जाएगा। वहीं पुलिकट झील व पोधिगई मलै क्षेत्र में इको-टूरिज्म को बढ़ावा देकर रोजगार सृजन, पर्यावरण संरक्षण को मजबूती दी जाएगी। प्रधानमंत्री ने तिरुपरंकुंद्रम मुरुगन मंदिर में भगवान मुरुगन के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की।

# श्री जोगणिया माता शक्तिपीठ पर कंजर जाति भातु समाज द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन





स्मार्ट हलचल

**लाडपुरा।** श्री जोगणिया माता शक्तिपीठ परिसर में कंजर जाति भातु समाज द्वारा एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 48 यूनिट रक्तदान किया गया। समाज के सदस्यों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कंजर समाज की कुल देवी मां जोगणिया शक्ति पीठ स्थल स्थित वैष्णो देवी धर्मशाला, रक्तदान किया। इस अवसर पर कंजर जाति भातु समाज द्वारा क्षेत्र में धर्मशाला निर्माण को लेकर भी चर्चा आयोजित की गई, जिस पर समाज के पदाधिकारियों एवं उपस्थित सदस्यों द्वारा ट्रस्ट से स्थान की मांग की गई।

कार्यक्रम में कंजर भातु समाज के अध्यक्ष लाभचंद कंजर, पालका उपाध्यक्ष रामचंद्र कंजर चेची, सीताराम कंजर, बालूराम कंजर, एडवोकेट (सेवानिवृत्त), एएसआई रामपाल कंजर, विकास कंजर (जिला अध्यक्ष, भीलवाड़ा), प्रेमचंद कंजर, शिक्षण अर्जुन कंजर, दिनेश कंजर, सुरेंद्र कंजर सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। साथ ही श्री जोगणिया माता शक्तिपीठ प्रबंध एवं विकास संस्थान की ओर से अध्यक्ष सत्यनारायण जोशी, मेंढकेश्वर महादेव महंत श्री नंदकिशोर जी महाराज एवं संस्थान के सदस्यगण भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष श्री सत्यनारायण जोशी ने अपने संबोधन में कहा कि सनातन धर्म की मुख्यधारा के सिद्धांतों के अनुरूप संस्थान कंजर भातु समाज के सामाजिक उत्थान एवं विकास के लिए निरंतर सहयोग करता रहेगा। उन्होंने समाज के हित में धर्मशाला हेतु भूमि उपलब्ध कराने के विषय पर कंजर समाज द्वारा आने वाले महीनों निरन्तर मीटिंग कर धर्म नीति के अंतर्गत रहने पर एवं सामाजिक गतिविधियां करते रहने के अंतर्गत संस्थान निर्णय करेगा।

बैठक में उपस्थित सभी समाजजनों ने सामूहिक रूप से निर्णय लिया कि समाज की ओर से किसी भी प्रकार के गैरकानूनी कार्यों को बढ़ावा नहीं दिया जाएगा तथा सामाजिक एवं श्री जोगणिया माता शक्तिपीठ स्थल पर हर प्रकार के सहयोग सेवा करते रहने का संकल्प लिया संस्थान के द्वारा निर्धारित धर्मनीति के अंतर्गत सद्भाव, शिक्षा एवं विकास को प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही सभी ने आगामी समय में समाजहित एवं कंजर समाज के सामाजिक उत्थान से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय सामूहिक रूप से लेने का संकल्प भी व्यक्त किया।

# अस्पताल के पास ईंट-भट्टा बना मरीजों के लिए खतरा, प्रशासनिक कार्रवाई की दरकार

स्मार्ट हलचल

**मंगरोप।** हमीरगढ़ उपखंड क्षेत्र के आमलीगढ़ पाछ्ली में स्थित राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के ठीक समीप ईंटों का भट्टा संचालित किया जा रहा है,जिससे अस्पताल आने-जाने वाले मरीजों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।भट्टे से निकलने वाला घना धुआं न केवल वातावरण को प्रदूषित कर रहा है, बल्कि श्वास संबंधी रोगों के खतरे को भी बढ़ा रहा है।प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की चिकित्सा प्रभारी मधु कुमारी ने बताया कि ईंट-भट्टे से निकलने वाले धुएं के कारण दमा,खांसी,सांस लेने में तकलीफ जैसी बीमारियां बढ़ने की आशंका बनी रहती है।अस्पताल में पहले से बीमार हालत में आने वाले मरीजों के लिए यह स्थिति और भी खतरनाक साबित होती है।चिकित्सा प्रभारी ने आगे बताया कि इस गंभीर समस्या को लेकर उन्होंने विगत अक्टूबर माह में हमीरगढ़ के एसडीएम को लिखित रूप से अवगत करवा दिया था।उस समय प्रशासन की ओर से जल्द भट्टा हटवाने का आश्वासन भी दिया गया था,लेकिन चार माह बीत जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।-स्थानीय ग्रामीणों और मरीजों में इस लापरवाही को लेकर रोष व्याप्त है।लोगों का कहना है कि यदि समय रहते ईंट-भट्टे को अस्पताल परिसर से दूर नहीं हटाया गया,तो इसका सीधा असर क्षेत्रवासियों के स्वास्थ्य पर पड़ेगा।ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि जनस्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए तत्काल प्रभाव से ईंट-भट्टे को हटवाने की कार्रवाई की जाए।

# पंडेर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: पंजाब के ट्रक से 1 क्विंटल के करीब डोडा चूरा जब्त, चालक गिरफ्तार

**एनएच 148डी पर नाकाबंदी के दौरान धरे गए 4 कट्टे, शाहपुरा से आ रहे ट्रक में छिपाया था नशा**

स्मार्ट हलचल | पंडेर

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के निर्देशानुसार अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पंडेर थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम (ष्ठस्ञ्) ने रविवार को एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने नेशनल हाईवे 148डी पर नाकाबंदी के दौरान एक ट्रक से लगभग 99.520 किलोग्राम अवैध अफीम डोडा चूरा बरामद कर पंजाब निवासी चालक को गिरफ्तार किया है।

पंडेर थानाधिकारी कमलेश (उनि) ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार आर्य और जहाजपुर वृत्ताधिकारी रेवडमल मौर्य के सुपरविजन में टीम गठित कर एनएच 148डी पर नाकाबंदी की गई थी। दोपहर करीब 12 बजे मुखबिर की सूचना पर शाहपुरा की तरफ से आ रहे एक ट्रक को रुकवाया गया। तलाशी के दौरान ट्रक में 4 काले कट्टे मिले, जिनमें डोडा चूरा भरा हुआ था।

### पंजाब ले जाने की थी फिराक:

पुलिस ने ट्रक चालक कर्णपाल उर्फ गगन सिंह (33) पुत्र जोगेंद्र सिंह लोहार, निवासी पटियाला (पंजाब) को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने ट्रक और मादक पदार्थ को जब्त कर आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि नशे की यह खेप पंजाब ले जाई जा रही थी। मामले का अनुसंधान जारी है।

# महापुरुषों की स्मृति में 'दोस्ती के नाम' रक्तदान शिविर आयोजित, 237 यूनिट रक्त संग्रहित



स्मार्ट हलचल | ब्यावर

बदनोर कस्बे के रुपरजत वाटिका में महापुरुषों की पावन स्मृति को समर्पित 'दोस्ती के नाम' एक विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। 7773 ग्रुप एवं हिंदू क्रांति सेना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में युवाओं ने उत्साह दिखाते हुए कुल 237 यूनिट रक्त एकत्रित किया।

पुष्पांजलि से हुई शुरुआत कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा महापुरुषों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर और उन्हें श्रद्धांजलि देकर किया गया। इस अवसर पर मंजीत पाल सिंह सांवराद , अखिल भारतीय हिंदू क्रांति सेना ब्यावर जिला अध्यक्ष रतन गुर्जर व धनराज गुर्जर,योगेश पालीवाल, अभिषेक सिंह ब्यावर,सुर्या लाखागुड़ा सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि रक्तदान ही सबसे बड़ा दान है और महापुरुषों और दोस्तों को याद करने का इससे बेहतर तरीका नहीं हो सकता।

रक्तवीरों का हुआ सम्मान शिविर में सुबह से ही रक्तदाताओं का तांता लगा रहा। आयोजन समिति द्वारा प्रत्येक रक्तदाता को उत्साहवर्धन हेतु प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न में लठ प्रदान किए गए। 7773 ग्रुप और हिंदू क्रांति सेना के पदाधिकारियों ने बताया कि एकत्रित किया गया रक्त जरूरतमंदों और आपातकालीन चिकित्सा सहायता के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। शिविर टीम में वीरेंदर सिंह चौहान, श्याम गुर्जर, दिनेश माली, सरदार सिंह, विक्रम सिंह सबलासागर, दिलीप सिंह हनियामंगरी, नरेंद्र माली, गोविन्द माली, विजय सिकलीगर सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहें।

### मंगरोप थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई

## 10 दिनों में 9 ट्रैक्टर-ट्रॉली बजरी जब्त, माफिया में हड़कंप

स्मार्ट हलचल

**मंगरोप।** अवैध बजरी परिवहन के खिलाफ मंगरोप थाना पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। थाना प्रभारी नेहा राव (आरपीएस प्रोबेशनर) के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बीते करीब 10 दिनों के भीतर अवैध बजरी पर कार्रवाई करते हुए एमएमडीआर एक्ट के तहत 9 ट्रैक्टर-ट्रॉली बजरी जब्त की हैं।इस लगातार कार्रवाई से क्षेत्र के बजरी कारोबारियों में हड़कंप मच गया है।पुलिस थाना प्रभारी नेहा राव के अनुसार,अवैध खनन व परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए थाना क्षेत्र में विशेष निगरानी अभियान चलाया गया।अभियान के दौरान अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर अवैध बजरी परिवहन करते वाहनों को रोका गया और नियमानुसार जब्ती की कार्रवाई की गई।जब्त वाहनों को थाने परिसर में खड़ा कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।थाना प्रभारी राव ने स्पष्ट किया कि अवैध बजरी कारोबार किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।नियमों की अनदेखी कर खनन या परिवहन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।पुलिस की इस सक्रियता से आमजन में सुरक्षा का भरोसा बढ़ा है,वहीं अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों में डर का माहौल बना हुआ है।स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ सड़क सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।पुलिस ने आमजन से अपील की है कि अवैध खनन या परिवहन की सूचना तुरंत थाने को दें,ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

## लाडपुरा में क्रूरता: शिकारी ने जहरीला दाना डालकर 4 मोरों का किया शिकार

### आदतन शिकारी चंद्रमा कंजर ने फिर की वारदात, पूर्व में भी जा चुका है जेल

### आरोपी डिटेन

स्मार्ट हलचल| लाडपुरा

क्षेत्र के लाडपुरा गांव में एक बार फिर बेजुबान पक्षियों और राष्ट्रीय पक्षी मोर पर शिकारी का कहर टूटा है। एक आदतन शिकारी ने खेत में जहरीला दाना डालकर 4 मोरों सहित एक चिड़िया की जान ले ली। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में सनसनी फैल गई और ग्रामीणों ने मौके पर भारी रोष व्यक्त किया।

### खेत में बिछाया मौत का जाल

जानकारी के अनुसार, शिकारी ने पक्षियों को फंसाने के लिए खेत में जहरीला अनाज डाला था। इसे चुगने के बाद 4 मोरों और एक अन्य पक्षी ने तड़प-तड़प कर दम तोड़ दिया। ग्रामीणों ने जब खेत में मृत पक्षियों को देखा, तो तुरंत वन विभाग को सूचित किया।

### आरोपी वन विभाग की गिरफ्त में:

सूचना पर फॉरेस्टर लोकेंद्र सिंह

अपनी टीम के साथ मौके पर पहुँचे और घटनास्थल का मुआयना किया। वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी शिकारी चंद्रमा कंजर को डिटेन (पकड़) कर लिया है। बताया जा रहा है कि आरोपी पहले भी राष्ट्रीय पक्षी मोर के शिकार के मामले में जेल जा चुका है, लेकिन जेल से बाहर आते ही उसने फिर से वन्यजीवों का शिकार शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने आरोपी के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

## 11 किलो 930 ग्राम डोडाचूरा के साथ युवक गिरफ्तार

**चित्तौड़गढ़।** जिले की निकुम्भ थाना पुलिस ने ऑपरेशन त्रिनेत्र के अंतर्गत कार्यवाही करते हुए गश्त के दौरान 11 किलो 930 ग्राम अवैध अफीम डोडाचूरा तस्करी करते एक व्यक्ति को गिरफ्तार एवं सप्लाई प्राप्त करने वाला आरोपी को भी उदयपुर से डिटेन किया है।

पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत एएसपी सरिता सिंह तथा वृत्ताधिकारी बड़ीसादड़ी देशराज कुलदीप के सुपरविजन में थानाधिकारी रामसिंह हेड कांस्टेबल उगमाराम, कांस्टेबल कमलेश, थानसिंह, सन्दीप, सूर्यपाल सिंह व सम्पत के साथ गश्त कर रहे थे। इसी दौरान निम्बाहेड़ा रोड पर मालनखेड़ी में पीठ पर बेग लटकाए एक व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा, जिसे जाप्ते की सहायता से पकड़ा गया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम ईश्वरलाल (24) पुत्र रोड़ीलाल बंजारा निवासी बावड़ा थाना मनासा एमपी होना बताया। पुलिस द्वारा उसकी तलाशी लेने पर बेग में पिसा हुआ 11 किलो 930 ग्राम अफीम डोडाचूरा मिला, जिसे जप्त कर ईश्वरलाल बंजारा को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया।

## नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ के मामले में आरोपी गिरफ्तार

### छात्राओं की सुरक्षा को लेकर मंगरोप पुलिस सख्त

स्मार्ट हलचल|मंगरोप

नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ के गंभीर मामले में मंगरोप पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।मामला मंगरोप थाने से जुड़ा है। पुलिस के अनुसार यह घटना जनवरी माह की है।पीड़ित नाबालिग छात्रा गांव से शहर स्थित स्कूल में परीक्षा देने के लिए नियमित रूप से आती-जाती थी।इसी दौरान आरोप है कि आरोपी अविनाश खटीक ने छात्रा को रास्ते में रोककर उसके साथ छेड़छाड़ की।घटना से आहत पीड़ित पक्ष ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई,जिस पर पुलिस ने मामला पंजीबद्ध कर जांच शुरू की।जांच के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर मंगरोप पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।थाना प्रभारी नेहा राव (आरपीएस प्रोबेशनर) ने बताया कि नाबालिगों से जुड़े मामलों में कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाती है और पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए हर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।फिलहाल आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया,जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।वहीं,क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और छात्राओं की सुरक्षा को लेकर निगरानी बढ़ा दी गई है।वर्तमान में हो रही ऐसी घटनाओं को देखते हुए राज्य सरकार के निर्देशानुसार पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के आदेश से लगभग सभी थानों में कालिका टीम का गठन किया गया है।इस टीम में चार महिला कांस्टेबलों की नियुक्ति की गई है,जिनमें दो सुबह और दो रात्रि गश्त में तैनात रहेंगी।यह टीम बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर मुस्तैदी से कार्य करेगी।

## एडवोकेट स्नेह परिवार द्वारा फाग एवं चंग महोत्सव आयोजित

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

एडवोकेट स्नेह परिवार द्वारा होली के शुभ अवसर पर अधिवक्ताओ के लिए फाग एवं चंग महोत्सव का आयोजन संगीत कला केंद्र हॉल में आयोजित किया। सर्वप्रथम एडवोकेट स्नेह परिवार द्वारा आयोजित कार्यक्रम की संयोजक टीम एडवोकेट पीरू सिंह गौड़, अनिल कुमार पारीक, नवनीत कुमावत, अनीता व्यास, ममता दाधीच, राजकुमार सोनी, बालू लाल उपाध्याय, सरिता स्वर्णकार, सूर्यप्रकाश सरगरा ने राधा-कृष्ण, माँ सरस्वती व श्रीराम जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वालित कर, पुष्प व गुलाल अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम मे सभी अधिवक्ताओ के मान्यता कँवर, शिवना व्यास व यशस्वी कँवर द्वारा गुलाल से तिलक लगाया गया एडवोकेट अनिता व्यास ने कृष्ण व एडवोकेट राजेश्वरी शर्मा ने राधा तथा एडवोकेट बालू लाल उपाध्याय ने सुदामा की भूमिका निभाई। एडवोकेट कन्हैयालाल खारोल, भूपेंद्र सिंह चारण, पल्लवी गुप्ता, ममता दाधीच, निशा राजपूत,ममता लक्षकार, निशा कँवर गौड़ द्वारा भगवान श्री कृष्ण, संवारिया सेठ, खाटू श्याम जी व महाकाल के भजन सुनाये गये जिस पर सभी अधिवक्ता झूम उठे और सभी ने एकल, सामूहिक नृत्य किया। सभी अधिवक्ताओ द्वारा फूलो की होली खेली गई। साथ ही सभी महिलाओ ने फाग के भजनो पर सामूहिक नृत्य किया तथा पुरुष अधिवक्ताओ ने चंग के भजनो पर नृत्य का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम मे सभी के लिए चाय व नाश्ता तथा कार्यक्रम पश्चात एडवोकेट स्नेह परिवार द्वारा सभी के लिए सामूहिक भोजन का आयोजन किया जिसमे सभी अधिवक्ताओ ने राजस्थान का सुप्रसिद्ध भोजन दाल बाटी, चूरमा का आनंद लिया। कार्यक्रम की एंकरिंग एडवोकेट भूपेंद्र सिंह चारण व पीरू सिंह गौड़ ने की।

इस दौरान एडवोकेट नवीन चेचाणी, कन्हैयालाल तेली,सुधीर डांगी,बालकिशन साहू, सुरेश व्यास, महावीर आचार्य, सीमा अहीर, मनीष बुलिया, किरण सोनी,दीपक चतुर्वेदी, अंकित टेलर,मनोहर लालवानी,शीबा जॉन, पदिनेश जैन,दीपक खूबवानी परमेन्द्र सिंह चौहान, ललित वर्मा, कमलेश वर्मा, निशा राजपूत, ममता स्वर्णकार, सुमित माली, विशाल गौतम, रामपाल बाल्दी, संजय रांका, विश्वास वैष्णव, जयदीप सिंह राणावत, अमित त्रिवेदी, अजय माहेश्वरी,सीमा शर्मा, मुकेश शर्मा,अभिषेक औझा, आरती कुमावत, गोपाल लोढ़ा, नीलेश वैष्णव, पुखराज वैष्णव,सुनीता कँवर राठौड़,राकेश सोनी, अमीषा,शिवप्रकाश भट्ट, तमन्ना सुवालका, संगीता सुवालका वंदना जी आमेटा,प्रताप तेली सहित कई अधिवक्ताओ ने फाग एवं चंग महोत्सव का भरपूर आनंद लिया।

# होली से पहले मिलावट पर शिकंजा, तीन प्रतिष्ठानों से मावा के नमूने

## खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी, जांच रिपोर्ट के बाद होगी कार्रवाई

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** होली पर्व से पूर्व मिलावटी खाद्य पदार्थों पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत रविवार को तीन प्रतिष्ठानों से मावा के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी अशोक यादव के नेतृत्व में टीम ने मेसर्स श्रीराम डेयरी (चंद्रशेखर आजाद नगर), मेसर्स जोधपुर मिष्ठान भंडार (बदाली खेड़ा चौराहा) और मेसर्स लवकुश मिष्ठान भंडार (सुभाष नगर) से विधिवत सैंपल लेकर सील किए।

गुणवत्ता से समझौता नहीं:-

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि त्योहारी सीजन में मावा एवं दुग्ध उत्पादों की नियमित जांच की जा रही है। यदि जांच में मिलावट या मानक के अनुरूप गुणवत्ता नहीं पाई गई तो संबंधित प्रतिष्ठान के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। नागरिक करें सहयोग:-

विभाग ने आमजन से अपील की है कि मिलावटी या संदिग्ध खाद्य पदार्थ की सूचना दूरभाष नंबर 01482-232643 पर दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

त्योहार पर शुद्ध मिठास बनाए रखने के लिए प्रशासन का अभियान लगातार जारी है।

# इन्टेक गवर्निंग कॉन्सिल मेंम्बर्स चुनाव के लिए किया मतदान

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** इंडियन नेशनल ट्रस्ट फ़ॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज के भीलवाड़ा चेप्टर सदस्यों ने आज इन्टैक गवर्निंग कौंसिल मेम्बर चुनाव के लिए मतदान किया। इन्टैक के चेप्टर कन्वीनर बाबूलाल जाजू ने बताया कि मतदान के पश्चात सभी मतपत्र सील बंद कर नई दिल्ली हेड ऑफिस भिजवाये गये जहां देश भर से आने वाले मतों की गिनती की जायेगी और उसके बाद गवर्निंग कोन्सिल के नये सदस्यों की घोषणा की जायेगी। जाजू ने बताया कि होटल नंदिनी में आज प्रातः 11.30 बजें हुए मतदान में कन्वीनर बाबूलाल जाजू, को कन्वीनर श्यामसुंदर जोशी, गुमान सिंह पीपाड़ा, दिलीप गोयल, ओम प्रकाश हिंगड़, गोपाल नारायणीवाल, राजकुमार बुलिया, आर एल दरगड, संदीप पोरवाल, मुकेश अजमेरा, विद्यासागर सुराणा, भगवान सिंह, सुरेश सुराना, गौरी शंकर सांखला, रामगोपाल अग्रवाल, राकेश बंब, अब्बास अली बोहरा, हरक लाल विश्नोई, देवेंद्र देराश्री सहित अन्य सदस्यों ने मतदान कर विचार व्यक्त किये।

# 11 हजार गोबर कंडों से सजेगी वैदिक होलिका, पर्यावरण संदेश के साथ आज होगा दहन

**अग्रवाल समाज की अनूठी पहल— गौसंवर्धन और हरित होली का संगम**

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** पर्यावरण संरक्षण और गौसंवर्धन का संदेश देते हुए श्री अग्रवाल समाज संपत्ति ट्रस्ट के तत्वावधान में अग्रवाल नवयुवक मंडल एवं महिला मंडल द्वारा सोमवार, 2 मार्च 2026 को वैदिक परंपरा के अनुसार 11 हजार गोबर कंडों से निर्मित होलिका का दहन किया जाएगा। आयोजन अग्रवाल उत्सव भवन (रोडवेज बस स्टैंड के सामने) में होगा।

नवयुवक मंडल सचिव वेंकटेश गोयल एवं धीरज अग्रवाल ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी गोशालाओं से मंगवाए गए लगभग 11 हजार कंडों से होलिका का निर्माण किया गया है, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ गौपालन को बढ़ावा मिले।

हर्बल गुलाल और प्राकृतिक रंगों से सुसज्जित होलिका आकर्षण का केंद्र बनेगी। कार्यक्रम के दौरान भजन गायकों द्वारा फाग गीतों की प्रस्तुति भी दी जाएगी।

आयोजन में पवन अग्रवाल, कृष्णगोपाल मंगल, सौरभ बंसल, दीपक अग्रवाल, वैभव अग्रवाल सहित मंडल के सदस्यों का सक्रिय सहयोग रहा।

हरित होली की यह पहल शहर में सामाजिक सरोकार और सांस्कृतिक परंपरा का अनूठा उदाहरण है।

# श्री बाबा धाम में भव्य फागोत्सव, फूलों की होली में उमड़ा जनसैलाब

**राधा-कृष्ण झांकी बनी आकर्षण का केंद्र, आज शाम 8 बजे होगा होलिका दहन**

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** श्री बाबा धाम में अध्यक्ष विनीत अग्रवाल के सानिध्य में रविवार को भव्य फागोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। मंदिर परिसर में केवल फूलों से होली खेली गई, जबकि गुलाल व रंगों का पूर्णतः निषेध रखा गया। सैकड़ों भक्तजन गुलाब की पंखुड़ियों के साथ भजनों की मधुर स्वर लहरियों पर झूमते नजर आए।

मंदिर के भजन गायक मंडल के साथ बाहर से आए गायक दिनेश काबरा एवं सविता काबरा ने अपनी टीम के साथ 'रंग मत डाल रे सांवरिया... ', 'फाग खेलने आए श्याम... ', 'जीणी-जीणी उड़े रे गुलाल...' जैसे भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों के बीच श्रद्धालु फूलों की होली खेलते हुए भक्ति रस में सराबोर हो गए।

फागोत्सव में राधा-कृष्ण की आकर्षक झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। मंदिर प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं के लिए गुलाब के फूल व पत्तियों की निःशुल्क व्यवस्था की गई। पूरे परिसर में भक्ति, उल्लास और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला।

### आज होगा होलिका दहन

मंदिर परिसर में सोमवार 2 मार्च 2026 को सायं 8 बजे विधि-विधान और मंत्रोच्चारण के साथ होलिका दहन किया जाएगा। गोबर के कंडों से विशेष होली तैयार की गई है। होलिका दहन में आने वाले श्रद्धालुओं को पीली सरसों, गुग्गुल, कपूर व लौंग निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। मान्यता है कि विधि-विधान से होलिका दहन में आहुति देने से रोग, नजर दोष व बाधाएं दूर होती हैं। मंदिर प्रशासन ने अधिकाधिक धर्मप्रेमियों से पधारकर पुण्य लाभ लेने की अपील की ।

# दुकान के बाहर बछड़े का सिर मिलने से मचा हड़कंप

स्मार्ट हलचल | पुनित चपलोत

**भीलवाड़ा।** शहर के चंद्रशेखर आजाद नगर में होली के त्यौहार से पहले रविवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक दुकान के बाहर बछड़े का कटा हुआ सिर पड़ा मिला। सूचना मिलते ही गोविंदम कॉम्प्लेक्स के पास बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए और क्षेत्र में आक्रोश का माहौल बन गया।

मामले की जानकारी मिलते ही प्रताप नगर थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने स्थिति को संभाला और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच में सामने आया कि एक श्वान उक्त अवशेष को मुंह में दबाकर वहां तक लाया। सीसीटीवी फुटेज में स्थिति स्पष्ट होने के बाद लोगों का आक्रोश शांत हुआ।

प्रताप नगर थाना प्रभारी राजपाल सिंह ने बताया कि थाने के आसूचना अधिकारी ने मुझे फोन कर बताया कि चंद्रशेखर आजाद नगर में पार्क के सामने एक दुकान के बाहर गाय के बछड़े का सिर पड़ा हुआ है।उक्त सूचना पर में मय जाप्ता तुरंत मौके पर पहुंचा।वहां जाकर देखा तो वहां काफी भीड़ इकट्ठी थी।आसपास के लोगों ने वहां बताया कि तीन से चार दिन पहले एक बछड़ा बीमारी के कारण मर गया था शायद कोई कुत्ता उसी बछड़े के सिर को यहां ले आया।आस पास लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए तो उसमें यह बात साफ हो गई कि बछड़े के अवशेष को एक श्वान द्वारा ही वहां लाया गया था ।

पुलिस ने बछड़े के अवशेष को मौके से कब्जे में लेकर दूर स्थान पर गडवा दिया । फिलहाल मौके पर पूर्णतः शांति है।

# शांतिभंग के आरोप में एक गिरफ्तार

**राशमी।** थाना क्षेत्र के रूद गांव में पारिवारिक बात को लेकर मारपीट व झगड़ा करने को लेकर पुलिस ने एक युवक को शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार पंकज पुत्र भंवरलाल सेन ने थाने में दी शिकायत में बताया कि करीब 7 दिन पहले वह उसकी मामी सपना सेन को रूद से बारू बस स्टैंड छोड़ने गया था। जिसकी जानकारी उसके मामा रूद निवासी लक्ष्मी लाल पुत्र लादू लाल सेन को हो गई। इस बात को लेकर दो दिन पूर्व समाज के लोग इकट्ठे हुए थे। जहां पर लक्ष्मी लाल सेन ने उसके साथ मारपीट की व जान से मारने की धमकी दी। शिकायत पर पुलिस ने उसे एवं आरोपी लक्ष्मी लाल सेन को थाने पर बुला कर समझाईश की इसी दौरान आरोपी लक्ष्मी लाल सेन आवेश में आ गया तथा शिकायतकर्ता के हाथ पैर तोड़ने की धमकी देने लगा। इस पर पुलिस ने आरोपी लक्ष्मी लाल सेन को शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार कर उपखंड मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया।

# विधानसभा में मुद्दा उठाने पर नरेगा संविदा कर्मियो के प्रतिनिधी मण्डल ने विधायक आक्या का किया अभिनंदन

स्मार्ट हलचल | ओम जैन

**चित्तौड़गढ़।** विधायक चंद्रभान सिंह आक्या द्वारा गत दिनो विधानसभा में महात्मा गांधी नरेगा संविदा कर्मियो को नियमित करने बाबत मुद्दा उठाने पर रविवार को नरेगा संविदा कर्मियो के प्रतिनिधी मण्डल ने विधायक आक्या का अभिनंदन किया।

महात्मा गांधी नरेगा संविदा कार्मिक संघ के रतनलाल शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया की नरेगा संविदाकर्मी गत 17 वर्ष से अल्प मानदेय पर कार्य करते हुए नियमित होने की बाट जोह रहे है। वर्ष 2022 में सरकार के स्तर पर इन्हे संविदा सेवा नियम में लेकर दो वर्ष में नियमित करने की बात कही गई थी लेकिन आज दिन तक कुछ कार्यवाही नही हुई। विधायक आक्या ने विधानसभा के मौजूदा सत्र में महात्मा गांधी नरेगा संविदा कर्मियों को नियमित करने की मांग पुरजोर तरीके से उठाते हुए कहा था की नरेगा संविदा कर्मी गत 17 वर्षो से अल्प मानदेय पर कार्य कर रहे है तथा अल्प मानदेय से इन्हे अपना परिवार का भरण पोषण करना मुश्किल हो रहा है। सरकार को इनकी मांगों पर सकारात्मक विचार कर शीघ्र नियमित करना चाहिए। विधायक आक्या की मांग पर विभागीय मंत्री द्वारा इस संबंध में शीघ्र आवश्यक कार्यवाही करने की बात कही गई थी।

विधायक आक्या द्वारा विधानसभा में मुद्दा उठाने पर महात्मा गांधी नरेगा संविदा कर्मियो में हर्ष व्याप्त है तथा अब उन्हे नियमित होने की आस बंधी है। रविवार को बड़ी संख्या में नरेगा संविदा कार्मिको द्वारा विधायक आक्या का उनके कार्यालय में उपरना ओढ़ाकर व मेवाड़ी पाग पहनाकर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर राजेन्द्र बारबर, रतनलाल शर्मा, पारस सालवी, राजेन्द्र शर्मा, भेरूलाल रेगर, देवेन्द्र सिंह चुण्डावत, गोपाल मेनारिया, बंशीलाल गुर्जर, गोपाल दास वैष्णव, नाथुलाल माली आदि उपस्थित थे।

# सेवानिवृत हैड कांस्टेबल स्व. रामलाल बैरवा की चतुर्थ पुण्य स्मृति में नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर सम्पन्न

स्मार्ट हलचल

**निम्बाहेड़ा।** गोमाबाई नेत्रालय नीमच द्वारा जिला अंधत्व निवारण समिति चित्तौड़गढ़ की प्रशासनिक अनुमति एवं जिला अंधत्व निवारण समिति नीमच के आर्थिक सहयोग से कोतवाली थाना निम्बाहेड़ा में पदस्थ एएसआई सूरज कुमार बैरवा द्वारा अपने पिता सेवानिवृत हैड कांस्टेबल स्वर्गीय रामलाल बैरवा की चतुर्थ पुण्य स्मृति के अवसर पर शनिवार को अपने पैतृक गांव नेगड़िया कलां तहसील बस्सी जिला चित्तौड़गढ़ में नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन प्रातः 10 से दोपहर 2 बजे तक किया गया। जिसमें कुल 379 मरीज लाभान्वित हुए।

शिविर के मुख्य अतिथि कर्नल रणधीर सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद सीपी जोशी के प्रतिनिधि भाजपा जिला उपाध्यक्ष सीपी नामधराणी तथा विधायक चंद्रभान सिंह आक्या के प्रतिनिधि गोपाल सिंह, मुकेश जागेटिया, किशन जागेटिया, जगदीश भांड, निम्बाहेड़ा सीआई रामसुमेर मीणा, बस्सी सीआई चंपालाल मेघवाल मौजूद रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। जिसके बाद सभी अतिथियों ने स्व. रामलाल बैरवा की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि दी।

शिविर में गोमाबाई नेत्रालय नीमच के नेत्रालय सहायक प्रबंधक मुकेश मेहता के नेतृत्व में नेत्र विशेषज्ञ डॉ. रामलखन ने कुल 379 मरीजों का नेत्र परीक्षण किया, जिसमें 56 रोगियों का मोतियाबिंद ऑपरेश के लिए चयन किया गया, 78 रोगियों को नंबर के चश्मे बनाएं गए और 245 रोगियों का सामान्य नेत्र परीक्षण किया गया। मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित हुए रोगियों को बस द्वारा गोमाबाई नेत्रालय नीमच ले जाकर भर्ती कराया गया जहां उनका मोतियाबिंद का आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण कर ऑपरेशन किया जाएगा इसके साथ ही रोगियों की रहना, खाना, दवाइयां आदि सभी व्यवस्थाएं नि:शुल्क रहेगी। शिविर के दौरान सभी रोगियों के लिए अल्पाहार एवं चाय, कॉफी की व्यवस्था रखी गई। और शिविर के पश्चात नेगड़िया कलां राजकीय विद्यालय के सभी बच्चों को भी अल्पाहार कराया गया।

गौरतलब है कि एएसआई सूरज कुमार द्वारा अपने पिता की पुण्य स्मृति के अवसर पर समाजसेवा के निरंतर कार्य किए जा रहे है। पिता की प्रथम पुण्य स्मृति में एएसआई सूरज कुमार द्वारा अपने पैतृक गांव नेगड़िया कलां के एक राजकीय विद्यालय में स्वयं के खर्च से एक कक्षा - कक्ष मय बरामदा निर्माण कार्य करवा कर विद्यालय को भेंट कर समाजसेवा का अनूठा उदाहरण पेश किया एवं दूसरी पुण्य स्मृति में विशाल रक्तदान शिविर आयोजित करवाकर कई लोगों को नई जिंदगी देने का पुनीत कार्य किया तथा तृतीय पुण्य स्मृति में उदयपुर पैसिफिक मेडिकल कॉलेज के सौजन्य से नि:शुल्क स्वास्थ शिविर आयोजित कर कई रोगियों को लाभान्वित किया था। इसके साथ ही एएसआई सूरज कुमार निम्बाहेड़ा नगर में अपनी ड्यूटी के साथ - साथ कई समाजसेवी संगठनों से जुड़ कर सामाजिक एवं समाजसेवा के कार्यों में हमेशा अग्रणी रहते है।

इस अवसर पर डॉ. कलाम सोसायटी अध्यक्ष भेरूलाल टांक, भोपाल सिंह बोडाना, अशरफ मेव, दशरथ टांक, एसएस अग्रवाल, मुकेश सिसोदिया, कर्नल रणधीर सिंह, पूर्व पार्षद मुफीद मेव, पत्रकार मोईन खान, समाजसेवी शहजाद हुसैन, लीला सोनी, ऊषा अग्रवाल, सीमा जैन, प्रमिला पगारिया, लक्ष्मी कोठारी, माधुरी अग्रवाल, कांस्टेबल सुमित, ज्ञानप्रकाश, संदीप, नरेंद्र, कालू बैरवा, प्रभुलाल, बाबूलाल, देवीलाल सहित परिवारजन एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणज मौजूद रहें।

## संयुक्त व्यापार मंडल होली मिलन समारोह कल

**गंगरार।** संयुक्त व्यापार मंडल स्टेशन के तत्वावधान में मंगलवार 3 मार्च को प्रातः 9 बजे से अंबेडकर सर्कल पर फागोत्सव एवं होली मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा।

अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने बताया कि फाग महोत्सव-2026 के अंतर्गत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों, होली गीत-संगीत एवं पारंपरिक उत्सव के माध्यम से आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया जाएगा।

# उनियारा सर्किल क्षेत्र में 'कागज़ी' एसआईटी के साये में अवैध खनन का खुला खेल

**पांच विभागों की चुप्पी और पुलिस-वन विभाग की कथित सांठगांठ पर उठ रहे गंभीर सवाल,**

**हाल ही में तीन पुलिस थानों अलीगढ़, बनेठा व सोप के आधा दर्जन से ज्यादा पुलिसकर्मियों पर सांठगांठ के चलते गिर चुकी हैं गाज-फिर भी नहीं सुधर रहे हालात**

स्मार्ट हलचल

**टोंक/उनियारा।** उनियारा क्षेत्र में अवैध बजरी और पत्थर खनन-परिवहन का कारोबार धड़ल्ले से जारी है। हैरानी की बात यह है कि अवैध खनन रोकने के नाम पर गठित एसआईटी टीम केवल कागज़ों तक सीमित नजर आ रही है, जबकि धरातल पर कार्रवाई का कोई असर दिखाई नहीं देता।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि दिन-रात बजरी, पत्थर और खनन सामग्री से लदे ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉलियां और डंपर सड़कों पर दौड़ रहे हैं। ये वाहन न केवल ग्रामीण सड़कों को नुकसान पहुंचा रहे हैं, बल्कि आमजन की जान के लिए भी खतरा बन चुके हैं। कई बार हादसे भी हो चुके हैं, लेकिन जिम्मेदार विभागों की ओर से ठोस कार्रवाई का अभाव साफ दिखता है। जिसके चलते पूर्व में भी उनियारा सर्कल क्षेत्र का अलीगढ़, बनेठा, सोप, उनियारा व नगरफोर्ट थाने अवैध बजरी वह पत्र खनन मामले में सुर्खियों में रहते आ रहे हैं हाल के दिनों में तीन पुलिस थानों अलीगढ़, बनेठा व सोप थाने के आधा दर्जन से ज्यादा पुलिसकर्मियों पर ड्यूटी में लापरवाही पर मिलीभगत व सांठगांठ के चलते गाज भी गिर चुकी है, उसके बावजूद भी क्षेत्र में अवैध बजरी परिवहन के हालात सुधारते नजर नहीं आ रहे हैं।

### पांच विभागों की जिम्मेदारी- फिर भी कार्रवाई शून्य

अवैध खनन रोकने की जिम्मेदारी केवल एक विभाग की नहीं, बल्कि वन विभाग, पुलिस विभाग, राजस्व विभाग, उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार, पटवारी और संबंधित निकाय (ग्राम पंचायत/नगरपालिका) सहित कम से कम पांच प्रशासनिक इकाइयों पर है। इसके बावजूद धरातल पर समन्वित कार्रवाई का अभाव सवाल खड़े करता है। सूत्रों का कहना है कि एसआईटी का गठन तो कर दिया गया, लेकिन न नियमित संयुक्त अभियान, न प्रभावी जब्ती, न ही जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय हुई। इससे यह धारणा बन रही है कि एसआईटी सिर्फ औपचारिकता बनकर रह गई है।

### आमजन को दिखता है-अधिकारियों को क्यों नहीं?

अवैध बजरी और पत्थर से लदे वाहन क्षेत्र की मुख्य सड़कों से गुजरते हैं। कई बार तो ये वाहन प्रशासनिक कार्यालयों और चौकियों के सामने से निकलते हैं। यह दृश्य आम नागरिकों को साफ नजर आता है, लेकिन संबंधित अधिकारियों और कार्मिकों की ओर से कार्रवाई का अभाव समझ से परे है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब यह सब खुलेआम हो रहा है, तो जिम्मेदारों के 'जू तक क्यों नहीं रेंग रही?' यदि आमजन को अवैध गतिविधियां दिख रही हैं, तो प्रशासनिक तंत्र की अनदेखी क्या दर्शाती है?

### पर्यावरण और जनसुरक्षा पर खतरा

अवैध खनन से जहां पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ रहा है, वहीं ग्रामीण मार्गों पर तेज रफ्तार और ओवरलोड वाहनों से बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की सुरक्षा खतरे में है। धूल-धक्कड़ और शोर से आमजन का जीवन प्रभावित हो रहा है, साथ ही किसानों की फसलें भी नुकसान झेल रही हैं।

### पुलिस-वन विभाग की कथित मिलीभगत पर चर्चा

ग्रामीणों में चर्चा है कि बिना प्रशासनिक संरक्षण विशेषकर पुलिस व वन विभाग) के इतना बड़ा अवैध कारोबार संभव नहीं हैं। आरोप है कि पुलिस और वन विभाग की कथित सांठगांठ व नरमी के कारण खनन माफिया बेखौफ होकर काम कर रहे हैं। कई बार तो पुलिस व वन विभाग के सरकारी वाहनों के सामने से वह उनके संरक्षण में अवैध बजरी व पत्थर परिवहन होता देखे जाने के मामले भी सामने आ चुके है। लगातार आमजन की शिकायतों के बावजूद यदि कार्रवाई नहीं होती, तो स्वाभाविक रूप से प्रशासनिक कार्यशैली पर प्रश्नचिह्न लगना लाजिमी है।

### प्रशासनिक जवाबदेही तय करने की मांग

स्थानीय लोगों ने शासन-प्रशासन मांग की है कि एसआईटी की वास्तविक समीक्षा कर उसकी कार्यप्रणाली सार्वजनिक की जाए। संयुक्त अभियान चलाकर अवैध खनन पर तत्काल रोक लगाई जाए। संबंधित विभागों के जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की जांच कर जवाबदेही तय की जाए। पुलिस व वन विभाग की कथित मिलीभगत की निष्पक्ष जांच हो। जब तक कागज़ी कार्रवाई से आगे बढ़कर धरातल पर सख्त कदम नहीं उठाए जाएंगे, तब तक अवैध खनन का यह खेल यूं ही चलता रहेगा। अब देखना यह है कि प्रशासन इन गंभीर आरोपों पर चुप्पी साधे रहता है या फिर ठोस कार्रवाई कर जनता का भरोसा बहाल करता है।

# नई कार्यकारिणी ने कुलदेवी मंदिर में पूजन कर लिया समाज सेवा का संकल्प

स्मार्ट हलचल

**कोटा।** दिनांक 22 फरवरी 2026 को संपन्न हुए भव्य अखिल भारतीय चौरसिया महासभा (कोल.) 'चौरसिया परिचय सम्मेलन एवं सम्मान समारोह' की अपार सफलता के पश्चात नई कार्यकारिणी द्वारा कुलदेवी माता नाना देवी मातेश्वरी मंदिर पहुंचकर साफ-सफाई एवं विधिवत पूजन-अर्चना की गई। कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने माताजी का आशीर्वाद लेकर समाज सेवा एवं संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया।

राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी आलोक चौरसिया ने बताया कि नई कार्यकारिणी समाज के उत्थान एवं एकता के लिए निरंतर कार्य करेगी। इस अवसर पर लंबे समय से निस्वार्थ भाव से माताजी की सेवा कर रहे पंडित राधेश्याम का कार्यकारिणी के संरक्षक गजेंद्र चौरसिया एवं गोपालदास चौरसिया द्वारा माला पहनाकर एवं सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मान किया गया।

राजस्थान चौरसिया कार्यकारिणी के अध्यक्ष हेमराज चौरसिया एवं कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र चौरसिया ने कहा कि चौरसिया समाज आज व्यापार, चिकित्सा सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी अलग पहचान बना रहा है। समाज के युवाओं का योगदान सराहनीय है। ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी भाईचारा मजबूत होता है तथा नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं और जड़ों से जुड़ने का अवसर मिलता है।

इस मौके पर कार्यकारिणी के सदस्य आशीष चौरसिया, राधेश्याम चौरसिया, हेमंत चौरसिया, हितेश चौरसिया एवं अमित चौरसिया सहित अन्य समाजबंधु उपस्थित रहे।

# महिला सुरक्षा पर यातायात पुलिस का विशेष अभियान, 7,747 चालान काटे

**बसों-ऑटो में लगे राजकॉप सिटीजन एप के स्टीकर, नियम तोड़ने वालों पर सख्ती**

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** जिला पुलिस अधीक्षक धमेन्द्र सिंह के निर्देशन में यातायात पुलिस ने महिला सुरक्षा को लेकर शहर में विशेष जागरूकता अभियान चलाया। अभियान के तहत बसों, मिनी बसों, ऑटो, ई-रिक्शा और कैब सहित सार्वजनिक परिवहन वाहनों पर राजकॉप सिटीजन एप के स्टीकर चस्पा कर इसकी उपयोगिता के बारे में जानकारी दी गई।

अभियान अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (सिविल राइट्स एवं एएचटी) के निर्देशों की पालना में संचालित किया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि शहर में तेज रफ्तार, शराब पीकर वाहन चलाने, मोबाइल पर बात करने और अन्य नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

फरवरी में सख्ती के आंकड़े:-

यातायात शाखा ने फरवरी 2026 में मोटर वाहन अधिनियम 1988 के तहत कुल 7,747 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की। इनमें:- 3,448 चालान तेज गति के 77 शराब पीकर वाहन चलाने के:- 341 मोबाइल पर बात करते पकड़े गए:- 502 तीन सवारी बैठाने पर 1,689 नो पार्किंग में वाहन खड़े करने पर 309 ब्लैक फिल्म लगे वाहनों पर यातायात पुलिस ने आमजन से नियमों का पालन करने और महिला सुरक्षा में सहयोग की अपील की है।

# धुंआखुर्द की बदहाल सड़क बनी जानलेवा-प्रशासन की अनदेखी से ग्रामीण त्रस्त

**ग्राम पंचायत मुख्यालय घोषित होने के बाद भी मुख्य मार्ग खस्ताहाल-नाली का गंदा पानी सड़क पर-हादसों का खतरा बढ़ा**

स्मार्ट हलचल

**टोंक/दूनी।** जिले की दूनी क्षेत्र के धुंआखुर्द गांव को भले ही नया ग्राम पंचायत मुख्यालय घोषित कर विकास के दावे किए जा रहे हों, लेकिन जमीनी सच्चाई प्रशासनिक उदासीनता की पोल खोल रही है। गांव में घाड़ से धुंआखुर्द मुख्य बस्ती तक जाने वाला प्रमुख मार्ग पूरी तरह जर्जर हो चुका है। सड़क पर गहरे गड्ढे, टूटी परत और नाली का गंदा पानी लगातार बहने से हालात बदतर बने हुए हैं।

ग्रामीण राजेश कुमार बैरवा सहित अन्य ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार शिकायतों के बावजूद न तो पंचायत स्तर पर ठोस कार्रवाई हुई और न ही संबंधित विभाग ने निरीक्षण कर समस्या का समाधान किया। सड़क पर बने गहरे गड्ढों में भरा पानी हर समय फिसलन पैदा करता है, जिससे दोपहिया वाहन चालक आए दिन हादसों का शिकार होते-होते बच रहे हैं। बरसात के दिनों में यह मार्ग पूरी तरह दलदल में तब्दील हो जाता है।

### स्कूल जाने वाले बच्चों की जान जोखिम में

इस मार्ग से प्रतिदिन स्कूली बच्चे गुजरते हैं। कीचड़ और पानी के बीच से होकर निकलना उनकी मजबूरी बन गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि कोई बड़ा हादसा होता है तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी?

### पंचायत मुख्यालय-पर मूलभूत सुविधा शून्य

गांव में माताजी का प्रसिद्ध मंदिर होने के कारण सालभर श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहता है, लेकिन मुख्य मार्ग की दुर्दशा से गांव की छवि भी धूमिल हो रही है। सवाल उठता है कि जब ग्राम पंचायत मुख्यालय का दर्जा दिया गया है, तो क्या प्रशासन की जिम्मेदारी केवल कागजों तक सीमित है?

### प्रशासन से जवाब मांगते ग्रामीण

ग्रामीण राजेश कुमार बैरवा सहित अन्य लोगों ने प्रशासन से तत्काल सड़क मरम्मत, नाली व्यवस्था दुरुस्त करने और स्थायी समाधान की मांग की है। उनका कहना है कि विकास के दावों की सच्चाई सड़क पर बहते गंदे पानी में साफ दिखाई दे रही है।

### प्रशासन से बड़ा सवाल

क्या संबंधित विभाग ने मौके का निरीक्षण किया? शिकायतों पर अब तक क्या कार्रवाई हुई? हादसा होने के बाद ही जागेगा प्रशासन? ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे सामूहिक रूप से उच्च अधिकारियों तक शिकायत दर्ज करवाने को मजबूर होंगे। अब देखना यह है कि प्रशासन कब तक इस ज्वलंत समस्या पर संज्ञान लेता।

# प्रतापनगर थाने में सीएलजी बैठक आयोजित

**आगामी त्योहारों पर शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील**

**पीएनटी चौराहे के आसपास बढ़ते अतिक्रमण का उठा मुद्दा**

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** प्रतापनगर थाना परिसर में आगामी त्योहारों को देखते हुए रविवार को सीएलजी बैठक का आयोजन किया गया। बैठक सीओ सिटी सज्जन सिंह और थाना प्रभारी राजपाल सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुई, जिसमें क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों और सीएलजी सदस्यों ने भाग लिया।

बैठक में आने वाले त्योहार होली, शीतला सप्तमी और ईद को लेकर कानून व्यवस्था, सुरक्षा और आपसी सौहार्द बनाए रखने पर विस्तृत चर्चा की गई। पुलिस अधिकारियों ने सभी से त्योहार शांतिपूर्ण और भाईचारे के साथ मनाने की अपील की।

बैठक के दौरान पीएनटी चौराहे के आसपास बढ़ते अतिक्रमण का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। साथ ही मानसरोवर झील और उसके आसपास आवारा तत्वों के जमावड़े को लेकर चिंता जताई गई, जिस पर पुलिस प्रशासन ने आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

पुलिस अधिकारियों ने क्षेत्रवासियों से अपने किरायेदारों का अनिवार्य रूप से पुलिस सत्यापन कराने की अपील की, ताकि किसी भी संभावित अप्रिय घटना को समय रहते रोका जा सके। इसके अलावा राजकोप ऐप की उपयोगिता के बारे में जानकारी देते हुए अधिक से अधिक लोगों से इसे डाउनलोड करने का आग्रह किया गया।

बैठक में मौजूद लोगों ने भी पुलिस के साथ समन्वय बनाए रखते हुए क्षेत्र में शांति और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने का भरोसा दिलाया।

# बड़लियास थाने में सीएलजी सदस्यों की बैठक, शांतिपूर्ण त्योहार मनाने की

स्मार्ट हलचल

**सवाईपुर।** क्षेत्र के बड़लियास थाना मुख्यालय पर रविवार को आगामी त्यौहारों को लेकर सीएलजी सदस्यों की बैठक आयोजित हुई, जिसमें शांतिपूर्ण व भाई चारा के वातावरण में मनाने की अपील की । थाना परिसर में थाना प्रभारी मन्नीराम चोयल की उपस्थिति में हुई । जिसमे आगामी त्यौहार होली, शीतला सप्तमी, ईद का त्यौहार आसिफ भाईचारा व शांतिपूर्ण तरीके से बनाने की अपील की । बैठक में सदस्यों ने कस्बे से निकलने वाले तेज रफ्तार अवैध बजरी के खाली ट्रैक्टरों का मुद्दा उठाया, कि यह खाली ट्रैक्टर इतनी तेज गति से गुजरते हैं कि हर समय दुर्घटना होने का अंदेशा बना रहता है और कस्बे में स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग की । उसी के साथ ही चौराहे पर हो रहे अतिक्रमण का मुद्दा भी प्रमुखता से छाया रहा । इस दौरान ओम प्रकाश काबरा, लादू लाल व्यास, जगदीश शर्मा, जगदीश पोरवाल, जाकिर हुसैन, मोइनुद्दीन मंसूरी, नजीर मोहम्मद, सलीम मोहम्मद, गोपाल बलाई, जमना लाल जाट, शिव जोशी, कालू रेगर, नारायण गुर्जर आदि कई उपस्थित थे ।

# घाटाखेड़ी क्रिकेट टूर्नामेंट में हरनावदाशाहजी की शानदार जीत, छबड़ा को हराकर बना विजेता

स्मार्ट हलचल

हरनावदाशाहजी क्षेत्र मे बासाहेड़ा खुर्द पंचायत के घाटाखेड़ी में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में हरनावदाशाहजी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए छबड़ा टीम को हराकर खिताब अपने नाम किया।

फाइनल मुकाबले में छबड़ा टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 12 ओवर में 136 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। छबड़ा के बल्लेबाजों ने तेज शुरुआत करते हुए हरनावदाशाहजी के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी हरनावदाशाहजी की टीम ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। टीम के प्रमुख खिलाड़ी देवेन्द्र राठौर ,गोलू, महावीर, अलताब, फिरोज, रईस और धर्मेंद्र ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए टीम को जीत दिलाई। हरनावदाशाहजी की टीम ने मात्र 10 ओवर में लक्ष्य हासिल कर टूर्नामेंट पर कब्जा कर लिया।

फाइनल मुकाबले के हीरो रहे ललित लववंशी, जिन्होंने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट लेने के साथ ही महत्वपूर्ण 40 रन बनाए। उनके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। हरनावदाशाहजी की इस जीत से खिलाड़ियों और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। मैच के बाद विजेता टीम का जोरदार स्वागत किया गया और खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट के सफल आयोजन पर आयोजकों की सराहना की गई।

# सरकारी मंच से सियासी प्रहार, विकास पर सन्नाटा, ट्रिपल इंजन फेल-राठौड़

स्मार्ट हलचल | डेगाना

आरटीडीसी के पूर्व अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कांग्रेस पर की गई टिप्पणियों को 'राजनीतिक हताशा का परिणाम' बताया है। उन्होंने तीखे शब्दों में कहा कि प्रधानमंत्री ने गैर-राजनीतिक मंच का उपयोग केवल आरोप-प्रत्यारोप के लिए किया, जबकि अजमेर और राजस्थान ठोस घोषणाओं की उम्मीद कर रहे थे। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास बलिदान और आजादी के आंदोलन से जुड़ा रहा है, जिसे न देश भुला सकता है और न दुनिया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री जिन शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं, वे राजस्थान की माटी और अजमेर की गंगा-जमुनी तहजीब के विपरीत हैं।

अजमेर की पावन धरा पर यदि विकास के नए आयाम स्थापित किए जाते तो जनता को वास्तविक लाभ मिलता। उन्होंने राजस्थान को नदियों से जोड़ने के दावे पर सवाल उठाते हुए राठौड़ ने कहा कि अजमेर में आज भी लोगों को समय पर पीने का पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। ईआरसीपी जैसी योजनाएं कागजों तक सीमित हैं और धरातल पर जनता को कोई लाभ नहीं मिला।

उन्होंने कहा कि यदि आज प्रधानमंत्री सरकारी मंच से कांग्रेस को कोसने के बजाय पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की जनकल्याणकारी योजनाओं को आगे बढ़ाने की घोषणा करते तो किसानों, मजदूरों और बेरोजगार युवाओं को राहत मिलती।

राठौड़ ने कहा कि जनता ने उम्मीदों के साथ प्रधानमंत्री का स्वागत किया था, लेकिन न कोई ठोस विजन सामने आया, न पुख्ता कार्ययोजना।

डबल इंजन की बात करने वाली सरकार ट्रिपल इंजन के बावजूद सफाई, पानी, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मुद्दों पर मोर्चा संभालने में विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि 2024 में किए गए वर्चुअल शिलान्यास 2026 तक भी धरातल पर दिखाई नहीं दे रहे हैं-चाहे वह रेलवे पुलिया का मामला हो या अन्य विकास कार्य। राठौड़ ने कहा, प्रधानमंत्री का विरोध कब से देश का विरोध हो गया? संविधान हमें असहमति और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है। कांग्रेस जनहित के मुद्दों पर आवाज उठाती रहेगी।

प्रधानमंत्री की अजमेर यात्रा में ठोस विकास घोषणाओं का अभाव रहा और जनता को फिर वही 'ढाक के तीन पात' देखने को मिले।

# आकर्षक श्रृंगार और भजन कीर्तन के साथ मनाया भव्य फाग महोत्सव

स्मार्ट हलचल

**ब्यावर।** स्थानीय आशापुरा माता धाम में फाल्गुन मास के फाग महोत्सव का आयोजन सुनील-सुमित्रा जैथलिया व परिवार के सौजन्य से आज रविवार को दोपहर 3 बजे से धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर माँ आशापुरा के अद्वितीय व अलौकिक श्रंगार के दर्शन से उपस्थित सभी भक्तगण अभिभूत और रोमांचित हो उठे। विशेष रूप से माँ आशापुरा के गर्भगृह के बाहर खाटू वाले श्याम बाबा का अद्भुत, आकर्षक व श्रृंगारित दरबार सजाया गया, जिसके दर्शन मात्र से ही भक्तगण रोमांचित और भक्तिरस से सरोबार हो उठे। साथ ही मंदिर परिसर की भी गुब्बारों से ऐसी आकर्षक साज-सज्जा की गयी, जिससे मंदिर परिसर के सौन्दर्य में अनुपम वृद्धि हो गयी।

इस महोत्सव में जिले के सुप्रसिद्ध भजन मंडल के.सुदामा भजन मंडल द्वारा सुमधुर और अनुपम भजन संध्या प्रस्तुत की गयी।

मंदिर समिति के सह सचिव सुरेश वैष्णव ने बताया कि आज आयोजित हुए भव्य फाग महोत्सव में सेंकड़ों की संख्या में धर्मप्रेमी भक्तगणों की मंदिर में ऐसी उपस्थिति रही कि पूरा मंदिर परिसर खचाखच भर गया। भजन मण्डल के भजन गायकों ने अपने सुरम्य भजनों की पिचकारी से ऐसा समां बांधा कि उपस्थित मातृ शक्ति ने नृत्य करते हुए भजनों का आनन्द लिया। भजन गायक भागचंद चौहान द्वारा श्री गणपति वंदना के 'घणा चाव सु गजानंद में आज थाने बुलावा' भजन से भजन संध्या का प्रारम्भ हुआ ।

तत्पश्चात भजन गायक विजय अनिरुद्ध व हेमंत शर्मा द्वारा 'आज बिरज में होरी रे रसिया' भजन की प्रस्तुति दी गयी । फिर 'मोहन के मन को लुभा गई र् राधा गोरी गोरी बरसाने की छोरी', 'राधे जी निरखे रे राधे जी निरखे झरोखा बैठा मारा श्याम राधे जी निरखे' जैसे एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर मंत्रमुग्ध कर दिया।

मंदिर प्रांगण में भजन-सरिता का ऐसा प्रवाह हुआ कि उपस्थित सभी भक्तगण भक्तिरस से सरोबार हो उठे। साथ ही माँ आशापुरा और श्याम बाबा के संग फूल और इत्र की होली खेलकर उपस्थित सभी भक्तगण फाग मास की मस्ती से भर उठे। अंत में सायं 7:15 बजे महाआरती के पश्चात उपस्थित सभी भक्तगणों को प्रसाद वितरण के साथ-साथ अपने-अपने घर के ठाकुर जी को होली खिलाने हेतु केसर की डब्बी और गुलाल के पैकेट का वितरण किया गया।

## मोदी जी हैं तो हम सुरक्षित हैं, दुबई जाने वालों पर बीजेपी सांसद का विवादित तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के सुप्रीम लीडर की मौत के बाद भी इजरायल और ईरान के बीच जंग थमती नहीं दिख रही है। सऊदी अरब से लेकर यूएई और कुवैत से लेकर बहरीन तक ईरान अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहा है। ऐसे में बीजेपी के सांसद निशिकांत दुबे ने भारतीय पासपोर्ट छोड़कर मिडिल ईस्ट में बसने वाले भारतीयों पर तंज कसा है और मोदी सरकार की तारीफ की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक निशिकांत दुबे ने कहा है कि अपना भारतीय पासपोर्ट छोड़कर दुबई जाने वाले लोगों के लिए सबक, मोदी जी हैं तो हम सुरक्षित हैं। लम्बे लम्बे सोशल मीडिया पर पोस्ट करना आसान है। दुबे का यह कमेंट ऐसे समय आया है, जब ईरान लगातार दुबई को भी अपनी मिसाइलों के जरिए निशाना बना रहा है। बता दें पिछले कुछ सालों में ऐसे कई मामले सामने आए जब भारतीय नागरिकों ने भारत की नागरिकता छोड़कर अमेरिका, ब्रिटेन या दुबई की नागरिकता हासिल कर ली है। बता दें दुबई अपना अंतरराष्ट्रीय लेवल और ऊंचा करने के लिए दुनियाभर से अमीर और फेमस लोगों को दुबई आकर बस जाने के लिए आमंत्रित करता है। ऐसे लोगों को दुबई अपने यहां की नागरिकता भी देता है। आकर्षक ऑफर्स को देखते अलग-अलग देशों से बड़ी तादाद में लोग अपनी नागरिकता छोड़कर दुबई की नागरिकता ले लेते हैं।

## अखिलेश यादव ने आई-पैक के साथ डील की फाइनल

**-बंगाल चुनाव के बाद यूपी में ग्राउंड पर उतरेगी टीम**

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में एक साल बाकी है। समाजवादी पार्टी ने चुनावी तैयारियों की शुरुआत कर दी है। लोकसभा चुनाव 2024 में यूपी में बढ़त के बाद सपा उत्साहित है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए अपने कैंपेन को संभालने के लिए पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म आई-पैक को हायर किया है। दोनों कैंप के सूत्रों ने कन्फर्म किया कि यह डील इस महीने की शुरुआत में दिल्ली में फाइनल हुई थी। आई-पैक को जन सुराज लीडर प्रशांत किशोर ने को-फाउंड किया था। आई-पैक पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में आने वाले चुनावों के बाद सपा के लिए काम शुरू करेगी।

**बंगाल के बाद शुरू होगा काम**

आई-पैक के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि हमारा ज्यादातर वर्कफोर्स अभी पश्चिम बंगाल में असेंबली इलेक्शन के लिए इकट्ठा है। हालांकि शुरुआती मीटिंग्स हो चुकी हैं, लेकिन ज्यादातर काम उत्तर प्रदेश में बंगाल इलेक्शन के बाद ही शुरू होगा। हमारे एक डायरेक्टर विनेश चंदेल वहां टीम को हेड करेंगे।

## आईईडी ब्लास्ट में असिस्टेंट कमांडेंट घायल

चाईबासा (एजेंसी)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे सर्च ऑपरेशन के दौरान आईईडी विस्फोट में कोबरा बटालियन के सहायक कमांडेंट अजय मल्लिक घायल हो गए। घटना सारंडा के मरांगपोंगा इलाके में हुई, जहां सुरक्षा बलों की टीम जंगलों में सघन तलाशी अभियान चला रही थी। अभियान के दौरान पहले से बिछाए गए विस्फोटक में अचानक धमाका हो गया। विस्फोट इतना तेज था कि आसपास मौजूद जवान भी सतर्क हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, नक्सलियों ने सुरक्षाबलों की मूवमेंट को देखते हुए पहले से ही आईईडी प्लांट कर रखा था। धमाके में सहायक कमांडेंट मल्लिक को चोटें आईं, हालांकि उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। विस्फोट के तुरंत बाद मौके पर मौजूद जवानों ने घायल अधिकारी को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। जंगल के बीच चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद रेस्क्यू ऑपरेशन तेजी से चलाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उन्हें रांची ले जाने की तैयारी की गई।

## टांडा के जंगल में हाथी से टकराई बाइक, दो भाईयों की मौत

हल्द्वानी (एजेंसी)। टांडा जंगल में हाथी से दोपहिया वाहन टकरा गया। इससे दोपहिया वाहन सवार सड़क पर गिर गए, जिसमें एक मौत हो गई। जबकि दूसरे को अस्पताल ले जाया जा रहा था लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक मूल रूप से शाहजहांपुर कटरा और वर्तमान में बनभूलपुरा के गफूर बस्ती निवासी शकील (26) और जाफर (28) शनिवार की शाम हल्द्वानी से रुद्रपुर की ओर जा रहे थे। इस दौरान टांडा रोड स्थित हाथी कारिडोर में उनके वाहन के सामने अचानक हाथी आ गया, जिससे उनका वाहन अनियंत्रित हो गया और वाहन चल रहे शकील के सिर में चोट लग गई। साथ ही पीछे बैठे जाफर भी सड़क हादसे में घायल हो गया। सड़क हादसे के बाद रास्ते से गुजर रहे लोगों ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को अस्पताल भेजा। जहां शकील को मृत घोषित कर दिया, जबकि जाफर को हायर सेंटर भेजा, जिसपर बरेली ले जाते वक्त रास्ते में जाफर ने भी दम तोड़ दिया। लोगों ने बताया की दोनों रिश्ते के भाई थे। जो हल्द्वानी में रहकर आर्टिफिशियल ज्वेलरी व कपड़ों की फेरी करते थे घटना के बाद परिवार में मातम छा गया।

## जम्मू-कश्मीर में भूकंप के झटके, डोडा ज़िले में 4.2 तीव्रता से कांपी धरती

जम्मू (एजेंसी)। रविवार तड़के सुबह जम्मू-कश्मीर का डोडा ज़िला भूकंप के झटकों से दहल गया। रिक्टर स्केल पर 4.2 मैग्नीट्यूड की तीव्रता वाले इस भूकंप ने पहाड़ी इलाके के निवासियों में दहशत पैदा कर दी, हालांकि राहत की बात यह रही कि अब तक किसी जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। जैसे ही सुबह हुई, परेशान लोकल लोग हालात का अंदाज़ा लगाने के लिए अपने घरों से बाहर निकले, उन्हें हिमालय की ठंडी हवा के बीच अपने पहाड़ी गांवों को सही-सलामत पाकर राहत मिली।

# पश्चिम बंगाल में एसआईआर में कटे 61 लाख नाम, 8 फीसदी की गिरावट

### पहले मतदाताओं की संख्या 7.66 करोड़ थी, जो अब घटकर 7.04 करोड़ रह गई

**कोलकाता, (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल में पिछले चार महीनों से जारी एसआईआर की प्रक्रिया शनिवार को खत्म हो गई। चुनाव आयोग द्वारा जारी अंतिम मतदाता सूची में राज्य के चुनावी परिदृश्य की एक चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई है। इस बार मतदाता सूची में 8 फीसदी यानी करीब 61 लाख की शुद्ध गिरावट दर्ज की गई है, जबकि अन्य 60 लाख मतदाताओं के नाम जांच के घेरे में हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक बंगाल की नई मतदाता सूची में 7.04 करोड़ मतदाताओं के नाम हैं। अक्टूबर में जब प्रक्रिया शुरू हुई थी, तब मतदाताओं की संख्या 7.66 करोड़ थी, जो अब घटकर 7.04 करोड़ रह गई है।

चुनाव आयोग के मुताबिक सबसे ज्यादा पुरुष मतदाताओं की संख्या 3,60,22,642 है। इसके बाद महिला मतदाताओं की संख्या 3,44,35,260 है। वहीं बंगाल में थर्ड जेंडर वोटर की संख्या 1,382 है। अब तक 63,66,952 नाम हटाए गए हैं। ये या तो मृत हो गए हैं या फिर कहीं दूसरी जगह पर शिफ्ट हो चुके हैं।

इस संशोधन की सबसे बड़ी और विवादास्पद बात यह है कि 60,06,675 मतदाताओं के नाम अंतिम सूची में तो हैं, लेकिन उनके आगे विचाराधीन का मार्क लगा है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त 501 न्यायिक अधिकारी इन नामों की समीक्षा कर रहे हैं। सीईओ अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि जब तक इन अधिकारियों द्वारा नामों को हरी झंडी नहीं दी जाती और सप्लीमेंट्री सूची जारी नहीं होती, ये 60 लाख लोग आगामी विधानसभा चुनाव में मतदान नहीं कर पाएंगे। अग्रवाल ने स्वीकार किया कि इस विशाल प्रक्रिया में कुछ त्रुटियां हुई हैं, लेकिन उन्होंने उन्हें नगण्य बताया।

पश्चिम बंगाल का यह चुनाव संशोधन कई मायनों में ऐतिहासिक और विवादित रहा है। माइक्रो-ऑब्जर्वर्स की तैनाती को लेकर विवाद हुआ। पहली बार चुनाव आयोग ने राज्य सरकार के अधिकारियों के काम की निगरानी के लिए हजारों केंद्रीय कर्मचारियों को माइक्रो-ऑब्जर्वर के रूप में तैनात किया। सीएम ममता बनर्जी द्वारा इस प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई, जिसके बाद अदालत ने न्यायिक अधिकारियों को पात्रता तय करने का जिम्मा सौंपा। चुनावों की आहट के बीच राज्य में सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई है। सीईओ ने बताया कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 240 कंपनियां पहले ही तैनात की जा चुकी हैं और 240 अन्य कंपनियां 10 मार्च से पहले बंगाल पहुंच जाएंगी। चुनाव की घोषणा होने तक कानून-व्यवस्था राज्य प्रशासन के अधीन रहेगी, जिसके बाद यह पूरी तरह चुनाव आयोग के नियंत्रण में आ जाएगी।

## एलओसी पार से पुंछ में घुसा पाकिस्तानी ड्रोन, भारतीय सेना ने फायरिंग कर खदेड़ दिया

जम्मू (एजेंसी)। एक बार फिर पाकिस्तान की ओर से नापाक हरकत की गई, जबकि जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास पाकिस्तानी ड्रोन भेजा गया। रविवार तड़के डिगवार इलाके में तैनात भारतीय सेना के जवानों ने उक्त संदिग्ध ड्रोन को देखते ही तुरंत जवाबी फायरिंग की। जानकारी अनुसार पाकिस्तानी ड्रोन रविवार सुबह करीब 6 बजकर 10 मिनट पर भारतीय क्षेत्र में दाखिल होता हुआ दिखाई दिया, जिसके बाद सेना ने दर्जनभर से अधिक राउंड फायर करके वापस लौटने पर मजबूर कर दिया। इस संबंध में सैन्य अधिकारियों ने मीडिया को बताया, कि भारतीय सीमा पर घुसा ड्रोन सेना की गोलीबारी से बच निकला। आसमान में मंडराने के बाद ड्रोन पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) की ओर वापस चला गया। यह दूसरी बार हुआ जबकि तीन दिनों के भीतर सीमा पार से ड्रोन गतिविधि देखी गई है, जिसके चलते भारतीय सेना को कड़े कदम उठाने पड़े हैं। यहां बताते चलें कि 27 फरवरी को भी इसी क्षेत्र में पाकिस्तानी ड्रोन की घुसपैठ हुई थी, जिस पर सेना ने कार्रवाई की थी। ऐसे में मौजूदा घटनाक्रम सुरक्षा की दृष्टि से बेहद संवेदनशील माना जा रहा है क्योंकि ड्रोन का इस्तेमाल अक्सर हथियार या नशीले पदार्थ गिराने या फिर जासूसी करने के लिए किया जाता है। ड्रोन वाली घटना के बाद भारतीय सुरक्षा बलों ने संपूर्ण इलाके में सर्च अभियान शुरू कर दिया है। सर्च ऑपरेशन से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि उक्त ड्रोन ने कोई हथियार या प्रतिबंधित सामग्री तो भारतीय सीमा पर नहीं छोड़ी है। इसी के साथ ही पूरे पुंछ सेक्टर में चौकसी बढ़ा दी गई है और सीमा पर भी निगरानी कड़ी कर दी गई है। इस घटना को गंभीर इसलिए भी माना जा रहा है, क्योंकि एक तरफतो पाकिस्तान अफगानिस्तान पर हमले कर रहा और जंग के हालात पैदा किए हुए हैं, वहीं दूसरी ओर भारत में ड्रोन भेजकर एक नया मोर्चा खोलने का इरादा जता रहा है।

## यूएस-इजराइल हमले में मिडिल ईस्ट में फंसे भारतीय को बचाए सरकार

**-कांग्रेस ने की सरकार से इस युद्ध को खत्म करने में मदद की अपील**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस ने अमेरिका और इजराइल की ओर से ईरान पर किए गए हमलों की कड़ी निंदा की है। कांग्रेस ने भारत सरकार से इस युद्ध को तुरंत खत्म करने और पश्चिम एशिया में सभी भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद की अपील की है। बता दें इस भयानक युद्ध के बीच कई भारतीय मिडिल ईस्ट में फंसे हुए हैं। हालांकि भारत सरकार की ओर से भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि हफ्तों तक राष्ट्रपति ट्रंप ईरान के साथ डिप्लोमेसी और बातचीत का दिखावा करते रहे हैं। इजराइली पीएम नेतन्याहू और अमेरिका में कट्टरपंथियों के उकसाने पर उन्होंने शासन बदलने के मकसद से एक सैन्य हमला शुरू किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस हमले की निंदा करती है और सरकार से इस वॉर को खत्म करने में मदद करने की अपील करती है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मिडिल ईस्ट संकट पर कहा कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तेजी से बढ़ती दुश्मनी चिंताजनक है। पूरे मिडिल ईस्ट में हर भारतीय नागरिक की सुरक्षा हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। इस बीच कांग्रेस ने पीएम मोदी के इजराइल दौरे को शर्मनाक और गलत समय पर बताया और कहा कि इससे मिलिट्री बढ़ोतरी को राजनीतिक समर्थन मिलने का एहसास होता है। रमेश ने कहा कि मोदी के इजराइल दौरे का जश्न मनाने के दो दिन बाद, इजराइल और अमेरिका ने ईरान पर मिलकर हमला शुरू कर दिया।

# बिहार की हार से सीख लेकर कांग्रेस और डीएमके में बनी सहमति, सीट बंटवारे का फॉर्मूला तैयार

**चैन्नई (एजेंसी)।** तमिलनाडु की सियासत में विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही गठबंधन की तस्वीर अब साफ होने लगी है। राज्य में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और कांग्रेस के बीच लंबे समय से चला आ रहा सीटों का गतिरोध खत्म होता दिख रहा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि कांग्रेस ने बिहार विधानसभा चुनाव के कड़वे अनुभवों से बड़ी सीख ली है। बिहार में महागठबंधन के बीच अंतिम समय तक सीट बंटवारा न हो पाने और कई सीटों पर फ्रेंडली फाइट के कारण मिली करारी हार को देखते हुए, इस बार तमिलनाडु में कांग्रेस ने व्यावहारिक रुख अपनाया है।

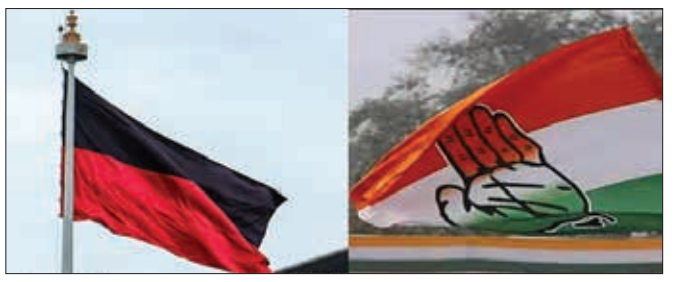

डीएमके प्रमुख और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गठबंधन को एकजुट रखने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में डीएमके ने दो मुस्लिम दलों के साथ समझौता पक्का कर लिया है। पार्टी मुख्यालय में हुई घोषणा के अनुसार, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) और मनिधनेया मक्कल कत्ची (एमएमके) को दो-दो विधानसभा सीटें आवंटित की गई हैं। आईयूएमएल अपने पारंपरिक 'सीढ़ी' चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ेगी, जबकि एमएमके के उम्मीदवार डीएमके के 'राइजिंग सन' सिंबल पर मैदान में उतरेंगे। यह कदम अल्पसंख्यक मतदाताओं को एक स्पष्ट संदेश देने की कोशिश माना जा रहा है। कांग्रेस के साथ भी बातचीत अब सकारात्मक मोड़ पर पहुंच गई है। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस शुरुआत में 35 सीटों की मांग कर रही थी, लेकिन अब 27 या 28 सीटों और राज्यसभा की एक अतिरिक्त सीट पर समझौता होने की प्रबल संभावना है। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के. सेल्वपेरुन्थगई ने संकेत दिए हैं कि डीएमके के साथ बातचीत सौहार्द्रपूर्ण रही है और कांग्रेस का गठबंधन अटूट है। पार्टी ने उन अटकलों को भी खारिज कर दिया है जिनमें कहा जा रहा था कि कांग्रेस किसी अन्य दल (जैसे टीवीके) के संपर्क में है।

दूसरी तरफ, विपक्षी खेमे यानी एनडीए में फिलहाल अनिश्चितता का माहौल है। ओ. पन्नीरसेल्वम के डीएमके के पाले में जाने की चर्चाओं के बीच एनडीए में अभी तक सीट शेयरिंग को लेकर कोई ठोस फैसला नहीं हो पाया है, जिससे वे फिलहाल दोराहे पर खड़े नजर आ रहे हैं। डीएमके की योजना है कि 9 मार्च को तिरुचिरापल्ली में होने वाले पार्टी के राज्य स्तरीय सम्मेलन से पहले सभी सहयोगियों के साथ सीटों का बंटवारा अंतिम रूप ले ले। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री स्टालिन सोमवार 2 मार्च 2026 को राज्यसभा सीटों और उम्मीदवारों की औपचारिक घोषणा कर सकते हैं। फिलहाल कांग्रेस के तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडणकर दिल्ली रवाना हो चुके हैं, जहां हाईकमान की मुहर लगते ही इस समझौते का औपचारिक ऐलान कर दिया जाएगा। विदुथलाई चिरुथैगल कत्ची (वीसीके) जैसे अन्य छोटे दलों के साथ भी सोमवार को चर्चा होनी है। एमके स्टालिन की रणनीति साफ है-सहयोगी दलों को उनकी जमीनी ताकत के हिसाब से सीटें देकर गठबंधन को नियंत्रित रखना और चुनाव प्रचार में किसी भी प्रकार की देरी या असमंजस से बचना। अब देखना यह होगा कि बिहार की गलतियों से सबक लेकर बनाया गया यह मजबूत गठबंधन आगामी चुनाव में कितनी सफलता हासिल करता है।

# भारतीय विदेश मंत्रालय ने ताजा घटनाओं पर जताई चिंता, दोनों पक्ष संयम बरतें

### भारत ने जारी की एडवाइजरी भारतीय सतर्क रहें और मिशनों के संपर्क में रहें

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत ने मिडिल ईस्ट में हालात पर चिंता जताते हुए कहा है कि सभी देशों की संप्रभुता और अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि ताजा घटनाओं से बहुत चिंतित हैं। हम दोनों पक्षों को संयम बरतने, नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की गुजारिश करते हैं। सभी पक्षों को डायलॉग और डिप्लोमेसी का रास्ता अख्तियार करना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बयान में कहा गया है कि इस क्षेत्र में हमारे मिशन सभी भारतीय नागरिकों के साथ हैं और एडवाइजरी जारी कर कहा गया है कि वे सतर्क रहें, मिशनों के संपर्क में रहें और स्थानीय सुरक्षा गाइडलाइंस का पालन करें। पश्चिम एशिया के हालात को देखते हुए भारत ने ना केवल ईरान और इजराइल बल्कि दूसरे देशों के लिए भी सलाह जारी की है। बता दें ईरान को लेकर भारत सरकार पहले से ही तीन एडवाइजरी जारी कर चुकी है। इजराइल में कुल दस हजार भारतीय रहते हैं जिनमें से चार हजार छात्र हैं।

भारतीय दूतावास ने कतर में रहने वाले सभी भारतीयों से उचित सावधानी बरतने के लिए कहा

है। सैन्य स्थानों से दूर रहने और घरों के अंदर रहने को कहा है। यूएई और फलस्तीन स्थित भारतीय मिशनों ने अडवाइजरी जारी कर भारतीयों से सावधान रहने को कहा है। माना जा रहा है कि हालात अगर बिगड़ते हैं तो भारत अपने नागरिकों को निकालने के लिए इवैक्युएशन ड्राइव की अगुवाई कर सकता है। भारत के लिए पश्चिम एशिया क्षेत्र अहम है। इस क्षेत्र में करीब 9-10 मिलियन भारतीय रहते हैं। यही वजह है कि दो दिन पहले ही इजराइल में पीएम मोदी ने कहा था कि मध्य एशिया की स्थिरता और शांति से भारत के हित जुड़े हैं। उन्होंने डायलॉग और डिप्लोमेसी से सभी विवादों को हल करने के लिए कहा था।

# साइबर सेल की बड़ी कार्रवाई: 11 राज्यों में छापेमारी कर 27 जालसाज गिरफ्तार

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पश्चिम जिला साइबर सेल ने डिजिटल ठगी करने वाले गिरोहों के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी देशव्यापी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने एक सप्ताह तक चले विशेष अभियान के तहत देश के 11 राज्यों में एक साथ छापेमारी की, जिसमें कुल 27 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई के माध्यम से पुलिस ने करीब 10 बड़े मामलों का खुलासा किया है, जिनमें मासूम लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी की गई थी।

जांच में सामने आया है कि इन मामलों में सीधे तौर पर 1.50 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की गई है। हालांकि, जब पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के बैंक खातों और वित्तीय दस्तावेजों की गहराई से पड़ताल की, तो उसमें करीब 13.91 करोड़ रुपये के संदिग्ध लेन-देन का पता चला। पुलिस को अंदेशा है कि यह राशि देश के अलग-अलग हिस्सों में की गई अन्य साइबर ठगी से जुड़ी हो सकती है। जिला पुलिस उपायुक्त दरादे शरद भास्कर ने इस सफलता की जानकारी साझा करते हुए बताया कि साइबर सेल की टीम लंबे समय से ठगी की शिकायतों पर तकनीकी जांच कर रही थी। डेटा विश्लेषण और डिजिटल फुटप्रिंट्स के आधार पर आरोपियों की लोकेशन ट्रैक की गई। इसके बाद दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में एक साथ दबिश देकर इन जालसाजों को दबोचा गया।

पकड़े गए आरोपियों का जाल काफी फैला हुआ था। ये लोग मुख्य रूप से निवेश के नाम पर झांसा देने, मोबाइल में खतरनाक एपीके फाइल इंस्टॉल करवाकर डेटा चोरी करने, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम के जरिए फर्जी स्कीम चलाने और क्रेडिट कार्ड अपडेट करने के नाम पर ठगी करते थे। पुलिस ने इन अपराधियों के पास से अपराध में इस्तेमाल होने वाली भारी सामग्री भी बरामद की है। बरामद सामान में 25 मोबाइल फोन, 28 सिम कार्ड, 20 बैंकिंग कार्ड (डेबिट/क्रेडिट), एक पीओएस मशीन, एक बाइक और भारी मात्रा में बैंक दस्तावेज व चेकबुक किट शामिल हैं। फिलहाल पुलिस सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है ताकि इस सिंडिकेट से जुड़े अन्य नामों और ठगी गई रकम की बरामदगी की जा सके।

# गोकुल में छड़ीमार होली: गोपियों ने पुलिस ही नहीं विदेशी सैलानियों पर भी बरसाईं छड़ियां

**-दुल्हन की तरह सजी महिलाएं, श्रीकृष्ण-बलराम के बाल रूप पर खेला रंग**

**मथुरा (एजेंसी)।** ब्रज के गोकुल में रविवार को छड़ीमार होली की धूम रही, जिसमें महिलाएं दुल्हन की तरह सज-संवरकर भगवान श्रीकृष्ण और बलराम के बाल स्वरूप पर रंग और छड़ियों की वर्षा करती दिखाई दीं। इस बार गोपियों ने न केवल स्थानीय लोगों बल्कि बड़ी संख्या में आए विदेशी सैलानियों और पुलिसकर्मियों को भी दनादन छड़ियों की झड़ी से नवाजा।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बलदेव विधानसभा के बीजेपी विधायक पूरन प्रकाश ने इस मौके पर राधा-कृष्ण बने कलाकारों के साथ मंच पर डांस कर कार्यक्रम में भाग लिया। इससे पहले दोपहर 12:30 बजे नंदभवन से भगवान श्रीकृष्ण का डोला निकला, जिसमें कन्हैया और बलराम के बाल रूप सवार थे। लोग डोले के आगे-पीछे रंग-गुलाल उड़ाते हुए मस्ती में चलते दिखाई दिए। रास्ते में यात्रा का जोरदार स्वागत किया गया, फूल, रंग और अबीर से डोले को सजाया गया। चौराहों पर बड़े स्टेज तैयार किए गए, जिन पर महिलाएं सज-धजकर डांस करती रहीं। गलियों में होली के गीत और 'जय राधे, जय कृष्णा' के भजन गूंजते रहे।

**छड़ीमार होली की परंपरा**

गोकुल में छड़ीमार होली का प्रचलन सदियों पुराना है। ऐसा माना जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण और बलराम ने यहीं बाल लीलाएं की थीं। इस खेल में उपयोग की जाने वाली छड़ियों पर गोटेदार कपड़ा लपेटा जाता है, जिससे चोट नहीं लगती। बरसाना और नंदगांव की लट्ठमार होली की तरह गोकुल की इस परंपरा में भी महिलाएं प्रमुख भूमिका निभाती हैं। इस बार की होली में नंदगांव और बरसाना के आयोजनों की याद भी ताजा हो गई थी, जहां राधारानी की सखियों और श्रीकृष्ण के सखाओं के बीच रंगीन छड़ीमार का खेल हुआ।

गोकुल में छड़ीमार होली देखने आए लोगों ने इसे अत्यंत रोचक और जीवंत उत्सव बताया। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाली, लेकिन उत्सव की अद्भुत झलक ने इसे और भी यादगार बना दिया।

होली वसंत ऋतु में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण भारतीय त्योहार है। यह पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। रंगों का त्योहार कहा जाने वाला यह पर्व पारंपरिक रूप से दो दिन मनाया जाता

है। होली भारत का अत्यंत प्राचीन पर्व है जो होली, होलिका या होलाका नाम से मनाया जाता था। वसंत की ऋतु में हर्षोल्लास के साथ मनाए जाने के कारण इसे वसंतोत्सव और काम-महोत्सव भी कहा गया है।

# रंगों का महापर्व होली

रंग खेलते हुए अगर थोड़ी सी लापरवाही हो जाए तो आपकी आंखों और त्वचा को काफी नुकसान हो सकता है।

## राधा-श्याम गोप और गोपियो की होली

इतिहासकारों का मानना है कि आर्यों में भी इस पर्व का प्रचलन था लेकिन अधिकतर यह पूर्वी भारत में ही मनाया जाता था। इस पर्व का वर्णन अनेक पुरातन धार्मिक पुस्तकों में मिलता है। इनमें प्रमुख हैं, जैमिनी के पूर्व मीमांसा-सूत्र और कथा गार्हय-सूत्र। नारद पुराण और भविष्य पुराण जैसे पुराणों की प्राचीन हस्तलिपियों और ग्रंथों में भी इस पर्व का उल्लेख मिलता है। विंध्य क्षेत्र के रामगढ़ स्थान पर स्थित ईसा से 300 वर्ष पुराने एक अभिलेख में भी इसका उल्लेख किया गया है। संस्कृत साहित्य में वसन्त ऋतु और वसन्तोत्सव अनेक कवियों के प्रिय विषय रहे हैं।

## सार्वजनिक होली मिलन

**सारा समाज होली के रंग में रंगकर एक-सा बन जाता है। रंग खेलने के बाद देर दोपहर तक लोग नहाते हैं और शाम को नए वस्त्र पहनकर सबसे मिलने जाते हैं।**

होली से अगला दिन धूलिवंदन कहलाता है। इस दिन लोग रंगों से खेलते हैं। सुबह होते ही सब अपने मित्रों और रिश्तेदारों से मिलने निकल पड़ते हैं। गुलाल और रंगों से सबका स्वागत किया जाता है। लोग अपनी ईर्ष्या-द्वेष की भावना भुलाकर प्रेमपूर्वक गले मिलते हैं तथा एक-दूसरे को रंग लगाते हैं। इस दिन जगह-जगह टोलियाँ रंग-बिरंगे कपड़े पहने नाचती-गाती दिखाई पड़ती हैं। बच्चे पिचकारियों से रंग छोड़कर अपना मनोरंजन करते हैं। सारा समाज होली के रंग में रंगकर एक-सा बन जाता है। रंग खेलने के बाद देर दोपहर तक लोग नहाते हैं और शाम को नए वस्त्र पहनकर सबसे मिलने जाते हैं। प्रीति भोज तथा गाने-बजाने के कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।होली के दिन घरों में खीर, पूरी और पूड़े आदि विभिन्न व्यंजन पकाए जाते हैं। इस अवसर पर अनेक मिठाइयाँ बनाई जाती हैं जिनमें गुझियों का स्थान अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। बेसन के सेव और दहीबड़े भी सामान्य रूप से उत्तर प्रदेश में रहने वाले हर परिवार में बनाए व खिलाए जाते हैं। कांजी, भांग और ठंडाई इस पर्व के विशेष पेय होते हैं। पर ये कुछ ही लोगों को भाते हैं। इस अवसर पर उत्तरी भारत के प्राय: सभी राज्यों के सरकारी कार्यालयों में अवकाश रहता है, पर दक्षिण भारत में उतना लोकप्रिय न होने की वज़ह से इस दिन सरकारी संस्थानों में अवकाश नहीं रहता ।

**गुलाल में ऐसे छोटे-छोटे कण मौजूद होते हैं, जो यदि आंखों में चले जाएं तो कॉर्निया को नुकसान पहुंचा सकते हैं। कॉर्नियल एब्रेशन ऐसी ही एक एमरजेंसी होती है, जहां आंखों से निरंतर पानी गिरता रहता है और दर्द भी बना रहता है। यदि ध्यान न दिया जाए तो आंखों में संक्रमण या अल्सर हो सकता है।**

# होली खेलें पर सावधानी से

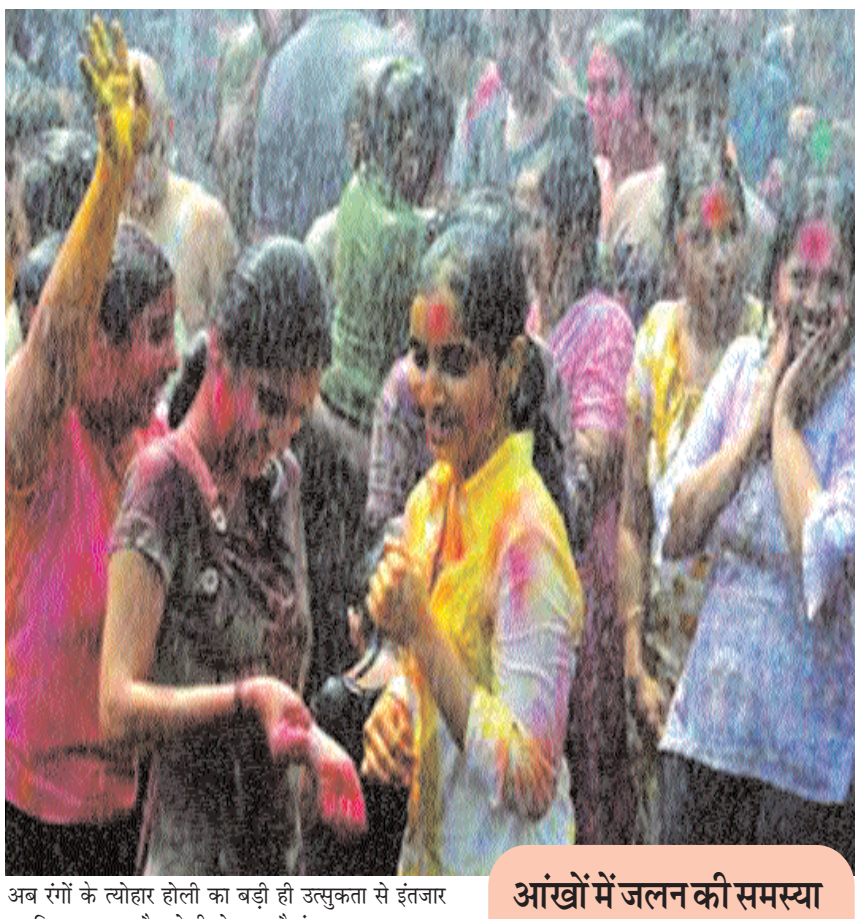

अब रंगों के त्योहार होली का बड़ी ही उत्सुकता से इंतजार किया जा रहा है। होली से जुड़ा है रंग, गुलाल व अबीर। लेकिन रंग खेलते हुए अगर थोड़ी सी लापरवाही हो जाए तो आपकी आंखों और त्वचा को काफी नुकसान हो सकता है।

होली के समय में हमारी आंखों को सबसे अधिक नुकसान पहुंच सकता है, क्योंकि होली में इस्तेमाल किए जाने वाले रंग आंखों में जलन, संक्रमण पैदा कर सकते हैं या फिर आंखों को चोटिल कर सकते हैं। होली के बाद अस्पतालों में सामान्य तौर पर त्वचा व आंखों के मरीजों की आवाजाही बढ़ जाती है। इसलिए सावधानी जरूर बरतनी चाहिए।

### आंखों में जलन की समस्या

कुछ रंगों के आंखों के साथ संपर्क में आने से आंखों में जलन होने लगती है और आंखें लाल हो जाती हैं। अगर यह समस्या दो चार दिनों में ठीक न हो तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी हो जाता है। आंखों में किसी प्रकार की समस्या होने पर यह देखना चाहिए कि आपकी दृष्टि की स्पष्टता में तो कोई कमी नहीं आई है? यदि हां तो तुरंत डॉक्टर से मिलें।

### ये सावधानियां हैं जरूरी

- अपनी आंखों को बचाकर रखें। कोई आप के पास रंग लगाने आए तो अपनी आंखों को बंद करके पहले बचाने का प्रयास करें।
- आंखों में चश्मा पहनें, जिससे खतरनाक रंगों के रसायन से आपकी आंखें बच सकें।
- बालों पर कोई बड़ी-सी टोपी या हैट लगाएं, जिससे आपके बालों का केमिकल डाई के दुष्प्रभाव से बचाव हो सके।
- नहाते समय और रंगों को निकालते समय आंखों को अच्छी तरह से बंद कर लें ताकि पानी के साथ बहता हुआ रंग आप की आंखों में प्रवेश न कर सके।
- घर पर खुद ही रंग बनाएं और उन्हीं का इस्तेमाल करें। बाहर के खरीदे हुए हानिकारक रंगों को इस्तेमाल न ही करें तो ही अच्छा है।
- बच्चों को गुब्बारों से खेलने के लिए उत्साहित न करें, क्योंकि गुब्बारे कभी भी किसी की आंखों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- अपने रंग लगे हाथों को आंखों के पास न ले जाएं। हाथ धोने के बाद ही आंखों को छुएं। आंखों को मसलने या रगड़ने की गलती भी न करें।
- ऐसे लोगों से बचने का प्रयास करें, जो हाथों से आपके चेहरे पर रंग लगाने आएं। यदि कोई रंग लगाने आए तो आप आंखों और होंठों को बंद कर लें ताकि रंग आपके मुंह या आंखों में न जा पाए।
- होली खेलने से पहले चेहरे पर कोल्ड क्रीम की एक मोटी परत लगाएं ताकि रंग लगने के बाद जब आप अपना चेहरा धोएं तो रंग आसानी से निकल जाए।
- यदि आंखों में कोई रंग चला जाए तो तुरंत पानी के छीटे मारें। यदि लक्षण कुछ भीषण प्रतीत हो रहा हो तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।
- होली के बाद आपको आंखों में हल्की असहजता महसूस हो रही हो तो रुई के फाहे पर गुलाब जल छिड़क कर आंखों पर थोड़ी देर के लिए रखें। इससे आपकी थकी हुई आंखों को आराम मिलेगा।
- यदि आंखों में रंग चला जाए और आंखों में जलन, सूजन या दर्द हो तो साफ पानी से आंखें धोएं। थोड़ी देर देखें, अगर तब भी लक्षण ऐसे ही रहें तो डॉक्टर के पास जाएं।
- यदि आंख में गुब्बारे या रंग में मिले हुए किसी कण से चोट लग गई हो, रेटिना को नुकसान पहुंचा हो, रक्तस्रव हो, तो आंखों को पानी से धोने की गलती न करें। ऐसे में आंखें बंद करें और तुरंत अस्पताल जाएं।

### आंखों को चोट न लगे

गुलाल में ऐसे छोटे-छोटे कण मौजूद होते हैं, जो यदि आंखों में चले जाएं तो कॉर्निया को नुकसान पहुंचा सकते हैं। कॉर्नियल एब्रेशन ऐसी ही एक एमरजेंसी होती है, जहां आंखों से निरंतर पानी गिरता रहता है और दर्द भी बना रहता है। यदि ध्यान न दिया जाए तो आंखों में संक्रमण या अल्सर हो सकता है। होली पर गुब्बारों के इस्तेमाल से आंखों में अंदरूनी रक्तस्रव हो सकता है या किसी प्रकार की भी चोट लग सकती है।

होली रंगों का त्योहार है, हँसी-खुशी का त्योहार है, लेकिन होली के भी अनेक रूप देखने को मिलते है। प्राकृतिक रंगों के स्थान पर रासायनिक रंगों का प्रचलन, भांग-ठंडाई की जगह नशेबाजी और लोक संगीत की जगह फ़िल्मी गानों का प्रचलन इसके कुछ आधुनिक रूप हैं। लेकिन इससे होली पर गाए-बजाए जाने वाले ढोल, मंजीरों, फाग, धमार, चैती और ठुमरी की शान में कमी नहीं

आती। अनेक लोग ऐसे हैं जो पारंपरिक संगीत की समझ रखते हैं और पर्यावरण के प्रति सचेत हैं। इस प्रकार के लोग और संस्थाएँ चंदन, गुलाबजल, टेसू के फूलों से बना हुआ रंग तथा प्राकृतिक रंगों से होली खेलने की परंपरा को बनाए हुए हैं, साथ ही इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान भी दे रहे हैं। रासायनिक रंगों के कुप्रभावों की जानकारी होने के बाद बहुत से लोग स्वयं ही प्राकृतिक रंगों की ओर लौट रहे हैं। होली की लोकप्रियता का विकसित होता हुआ अंतर्राष्ट्रीय रूप भी आकार लेने लगा है। बाज़ार में इसकी उपयोगिता का अंदाज़ इस साल होली के अवसर पर एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठान केन्ज़ोआमूर द्वारा जारी किए गए नए इत्र होली है से लगाया जा सकता है।

## भगवान नृसिंह द्वारा हिरण्यकशिपु का वध

माना जाता है कि प्राचीन काल में हिरण्यकशिपु नाम का एक अत्यंत बलशाली असुर था। अपने बल के दर्प में वह स्वयं को ही ईश्वर मानने लगा था। उसने अपने राज्य में ईश्वर का नाम लेने पर ही पाबंदी लगा दी थी। हिरण्यकशिपु का पुत्र प्रह्लाद ईश्वर भक्त था। प्रह्लाद की ईश्वर भक्ति से क्रुद्ध होकर हिरण्यकशिपु ने उसे अनेक कठोर दंड दिए, परंतु उसने ईश्वर की भक्ति का मार्ग न छोड़ा। हिरण्यकशिपु की बहन होलिका को वरदान प्राप्त था कि वह आग में भस्म नहीं हो सकती। हिरण्यकशिपु ने आदेश दिया कि होलिका प्रह्लाद को गोद में लेकर आग में बैठे। आग में बैठने पर होलिका तो जल गई, पर प्रह्लाद बच गया। ईश्वर भक्त प्रह्लाद की याद में इस दिन होली जलाई जाती है। प्रतीक रूप से यह भी माना जता है कि प्रह्लाद का अर्थ आनन्द होता है।

वैर और उत्पीड़न की प्रतीक होलिका (जलाने की लकड़ी) जलती है और प्रेम तथा उल्लास का प्रतीक प्रह्लाद (आनंद) अक्षुण्ण रहता है। प्रह्लाद की कथा के अतिरिक्त यह पर्व राक्षसी ढुंढी, राधा कृष्ण के रास और कामदेव के पुनर्जन्म से भी जुड़ा हुआ है। कुछ लोगों का मानना है कि होली में रंग लगाकर, नाच-गाकर लोग शिव के गणों का वेश धारण करते हैं तथा शिव की बारात का दृश्य बनाते हैं। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि भगवान श्रीकृष्ण ने इस दिन पूतना नामक राक्षसी का वध किया था। इसी खुशी में गोपियों और ग्वालों ने रासलीला की और रंग खेला था।

# प्रेम रंग

## सच्चा है सच्चा

होली आपसी प्रेम का त्योहार है। इसमें आप आपने मन का कचरा अग्नि की भेट करते हैं और मोहब्बत के रंग से मन को रंगते हैं। वैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए, तो ऐसा करना अचेतन की शुद्धि के लिए अनिवार्य है...

रंगों का सीधा संबंध मनुष्य के भावजगत से है। हर रंग भीतर के किसी भाव को दिखाता है। रंगों से उल्लास का भी पता चलता है। होली का त्योहार रंग और उल्लास के साथ प्रेम और भाइचारे का भी त्योहार है। रंगने से पहले आदमी का रूप अलग होता है, रंग के बाद कुछ और हो जाता है। रंगे हुए को पहचान पाना मुश्किल है। यानी बदलाव आ जाता है। यानी होली बदलाव का भी त्योहार है। होली के साथ जो पुरानी कहानी जुड़ी है, उसमें भी हमें कई प्रतीक मिल जाते हैं।

हिरण्यकश्यप और प्रह्लाद सच में कभी थे या नहीं, यह तो कोई नहीं बता सकता, योंकि पुराण इतिहास नहीं है, वह मनुष्य के जीवन में रचा-बसा सत्य है। उसे इतिहास की तरह प्रामाणिक नहीं माना जा सकता, लेकिन मनुष्य के जीवन को सुंदर बनाने के कई तव उसमें मिल सकते हैं। इस कहानी में दो विपरीत विचारधाराओं का संघर्ष हमें साफ़ दिखाई देता है। वह है आस्तिक और नास्तिक का संघर्ष, जो कि हमारे जीवन में रोज़ होता है, हर मिनट होता है। आस्तिकता और नास्तिकता का संघर्ष, पिता और पुत्र का, कल और आज का, शुा और अशुा का संघर्ष है।

होली की कहानी में हिरण्यकश्यप पिता हैं। पिता बीज है, पुत्र उसी का अंकुर है। हिरण्यकश्यप जैसी दुष्टात्मा को पता नहीं कि मेरे घर आस्तिक पैदा होगा, मेरे प्राणों से आस्तिकता जन्मेगी। इसका विरोधाास देखें। इधर नास्तिकता के घर आस्तिकता प्रकट हुई और हिरण्यकश्यप घबरा गया। जीवन की मान्यताएं, जीवन की धारणाएं दांव पर लग गईं।

ओशो ने इस कहानी में छुपे प्रतीक को सुंदरता से खोला है, 'हर बाप बेटे से लड़ता है। हर बेटा बाप के ख़िलाफ़ बग़ावत करता है। यह सिर्फ़ बाप-बेटे की कहानी ही नहीं, हर 'आज' बीते 'कल' के ख़िलाफ़ बग़ावत करता है। वर्तमान, अतीत से छुटकारे की चेष्टा करता है। अतीत पिता है, वर्तमान पुत्र है। हिरण्यकश्यप मनुष्य के बाहर नहीं है, न ही प्रह्लाद बाहर है। हिरण्यकश्यप और प्रह्लाद दो नहीं हैं, बल्कि प्रत्येक व्यति के भीतर घटने वाली दो घटनाएं हैं।

मां अमृत साधना का कहना है, जब तक मन में संदेह है, हिरण्यकश्यप मौजूद है। तब तक अपने ीतर उठते श्रद्धा के अंकुरों को तुम पहाड़ों से गिराओगे, पत्थरों से दबाओगे, पानी में डुबाओगे, आग में जलाओगे, लेकिन तुम जला न पाओगे। जहां संदेह के राजपथ हैं, वहां भीड़ साथ है। जहां श्रद्धा की पगडंडियां हैं, वहां तुम एकदम अकेले हो जाते हो। संदेह की क्षमता सिर्फ़ विध्वंस की है, सृजन की नहीं है। संदेह मिटा सकता है, बना नहीं सकता। संदेह के पास सृजनात्मक ऊर्जा नहीं है।

आस्तिकता और श्रद्धा कितनी ही छोटी यों न हो, शतिशाली होती है। प्रह्लाद के भक्ति गीत हिरण्यकश्यप को बहुत बेचैन करने लगे होंगे। उसे एकबारगी वही सूझा, जो सूझता है, नकार, मिटा देने की इच्छा। नास्तिकता विध्वंसात्मक है। उसके साथ ही आग पैदा होती है। इसलिए हिरण्यकश्यप की बहन है अग्नि, होलिका। लेकिन अग्नि सिर्फ़ अशुा को जला सकती है, शुद्ध तो उसमें से कुंदन की तरह निखरकर बाहर आ जाता है। इसीलिए आग की गोद में बैठा प्रह्लाद अनजला बच गया।

उसी दिन को हमने अपनी जीवन शैली में उत्सव की तरह शामिल कर लिया। फिर जन-सामान्य ने उसमें रंगों की बौछार जोड़ दी। बड़ा सतरंगी उत्सव है। पहले अग्नि में मन का कचरा जलाओ। उसकेबाद प्रेम रंग की बरसात करो। यह होली का मूल स्वरूप था। इसके पीछे मनोविज्ञान है, अचेतन मन की सफ़ाई करना। इस सफ़ाई को पश्चिमी मनोविज्ञान में कैथार्सिस या रेचन कहते हैं। साइकोथेरेपी का अनिवार्य हिस्सा होता है मन में छुपी गंदगी की सफ़ाई करना। उसके बाद ही आप अपने भीतर अच्छा महसूस कर सकते हैं, जैसे साफ़-सुथरे घर में रहकर करते हैं।

ओशो ने अपनी ध्यान विधियां इसी की बुनियाद पर बनाई हैं। होली जैसे वैज्ञानिक पर्व का हम थोड़ी बुद्धिमानी से उपयोग कर सकें, तो इस एक दिन में बरसों की सफ़ाई हो सकती है। भीतर के कचरे को आग में फैंक दीजिए और पवित्रता-प्रेम के रंग से ख़ुद को, सबको रंग दीजिए। होली यही सिखाती है कि प्रेम के रंग से सच्चा कोई और रंग नहीं होता।

### नाच गाने का उत्सव

होली बंधन, वर्जनाओं और नियमो को तोड़ने का पर्व है। मस्ती और उमंग का। नाच-गाना हमारी सांस्कृतिक विरासत है। उससे हम अपनी प्रसन्नत व्यत करते हैं। होली पर सबसे पुराना गीत 13वीं सदी का मिलता है, जिसेअमीर खुसरो ने बनाया था। होली के ज़्यादातर गीतों में कृष्ण और राधिका का प्रेम दिखाया जाता है। ज़्यादातर चौताल में गाया जाता है। होली गीतों को फगवा या फाग कहा जाता है, लेकिन अब तो मस्ती से भरा हर गाना होली पर गाया जाता है।

### फाल्गुन भगाए आलस

होली वैज्ञानिक तरीक़े से भी एक सही समय पर आने वाला त्योहार है। फाल्गुन या मार्च का महीना ऐसा होता है, जब सर्दी पूरी तरह विदा तो ले लेती है, लेकिन गर्मी पूरी तरह नहीं आती। इसलिए हमारा शरीर बहुत आलस में रहता है। हम ज़्यादा सोते हैं। उस आलस को तोड़ती है होली।

## बुरा न मानो होली है

रंग हमारे जीवन से गहरे से जुड़े हुए हैं। आपका पसंदीदा रेग न केवल आपके स्वभाव को दर्शाता है, बल्कि आपका कई आदतों के बारे में भई बताता है....

# किस रंग से तिलक करेंगे?

हम जो भी रंग पसंद करते हैं, उसी रंग को अपने आस-पास देखना और महसूस करना चाहते हैं। हर पसंदीदा रंग हमारे व्यतित्व व्यवहार, गुण, अवगुण व स्वभाव को दर्शाता है। आइए डालें, रंगों को पसंद करने वालों के स्वभाव पर एक नज़र :-

**लाल-** यह रंग सभी रंगों में ज़्यादा भड़कीला, आकर्षक व उतेजक होता है। लाल रंग पसंद करने वाले लोग शक्ति व ऊर्जा से परिपूर्ण होते हैं। इनमें गज़ब का आत्मविश्वास होता है। ये लोग सदा आकर्षण का केंद्र बने रहना चाहते हैं। अगर ये अपनी ऊर्जा का धैर्य से रचनात्मक प्रयोग करना सीख जाएं, तो जीवन में बहुत कुछ बिना समय गंवाए सीख सकते हैं।

**पीला-** यह रंग प्रगति, उन्नति व विकास का प्रतीक है। इसे पसंद करने वाले लोगों में उदारता, दया, करूणा, सौभ्यता, न्याय तथा दूसरों को सुरक्षा व संरक्षण देने की प्रवृाि पाई जाती है। इन्हें समझना आसान नहीं होता। इनका व्यक्तित्व रोचक व प्रेरक होता है। चुनौतियों का सामना करना इन्हें अच्छा लगता है। समय रहते इच्छा अनुसार मित्र नहीं मिलते, इसका इन्हें विशेष दुख होता है। सदा ऊपर उठने वाले ये जातक अक्सर छोटी-छोटी बातों पर ही ख़ुश हो जाते हैं।

**नीला-** यह रंग मनुष्य के अंदरूनी विकास को दर्शाता है। इस रंग को पसंद करने वाले लोग मेहनती व निरंतर गतिशील रहते हैं। इनका मन रहस्य, जादू-टोना, खोज आदि में लगता है। यह रंग जातक को तन्हाई व एकांत की ओर उकसाता है, जिसकी वजह से वे अंतर्मुखी व चुनौतियों से विमुख होने लगता है। लेकिन ऐसा अस्थाई रूप में होता है। इनके विचारों में गज़ब की शक्ति होती है। ये जातक जितने संवेदनशील होते हैं, उतने सहनशील भी होते हैं।

**हरा-** यह प्रकृति का रंग है, जो ताज़गी, स्वच्छता, और जीवन का प्रतीक है। इसे पसंद करने वाले जीवन के प्रति सचेत रहते हैं। अपनी वाणी के प्रभाव से दूसरों को शीघ्र अपना बना लेते हैं, परंतु स्वयं दूसरों पर जल्द यक़ीन नहीं करते। किसी के अधीन कार्य करना इन्हें पसंद नहीं होता। स्वतंत्रता प्रिय ऐसे लोग घुमकड़ प्रवाि के होते हैं। परिस्थितियों व समस्याओं पर काबू पाना इन्हें ख़ूब आता है। इन्हें ज्ञान, जानकारी व सूचना एकत्रित करने का शौक़ होता है।

**काला-** जिस तरह काला रंग हर रंग पर अलग से नज़र आता है, उसी प्रकार इस रंग को पसंद करने वाले जातकों का व्यक्तित्व व व्यवहार प्रभावपूर्ण होता है। ऐसे लोग जहां भी जाते हैं, अपनी अलग पहचान बना लेते हैं। ये लोग हमेशा लीक से हटकर कुछ करने की कोशिश में रहते हैं।

**सफ़ेद-** यह रंग सबसे हल्का व आंखों को सुकून देने वाला है। यह शांति, उमंग, उत्सव, जोश, ताज़गी और कोमलता का प्रतीक है। इसे पसंद करने वाले लोग शांत स्वभाव वाले, सकारात्मक, संतुलित व आशावादी होते हैं। साधारण जीवन शैली इन्हें पसंद होती है। ये खुले विचारों वाले एवं स्पष्टवक्ता होते हैं।

**गुलाबी-** यह रंग कोमलता, कामुकता, प्रेम, ऐश्वर्य और सौंदर्य का प्रतीक है। इसे पसंद करने वालों में प्रेम और दया की भावना अधिक होती है। ऐसे जातक आलीशान जीवन जीना पसंद करते हैं। कार्य करने की इनकी अदा निराली होती है तथा व्यवहार में एक नज़ाकत होती है। ज़्यादातर कल्पना में रहना पसंद करते हैं। परंतु यदि इस आदत में सुधार कर लें, तो सपनों को हक़ीक़त में बदल सकते हैं। प्रेम इनकी कमज़ोरी है।

**संतरी व गेरुआ-** दोनों ही रंग त्याग, तपस्या, साधना व प्रज्ञा के प्रतीक हैं। इन्हें पसंद करने वालों में संतों के लक्षण पाए जाते हैं। यह चीज़ों को देखकर आकर्षित ज़रूर होते हैं, लेकिन उनके मोह में नहीं बंधते। इन रंगों को पसंद करने वालों की विशेषता यह है कि वे साहसी, निडर, आत्मविश्वासी ओर दृढ़ संकल्पी होते हैं। ज़्यादातर लोगों को अधेड़ उम्र में यह रंग पसंद आने लगता है। ऐसे जातकों की वाणी, व्यवहार एवं व्यक्तित्व में ओज और चेतना साफ़-साफ़ दिखाई देती है।

**आसमानी-** वैसे तो इसे पसंद करने वालों का स्वभाव गुलाबी रंग को पसंद करने वालों से मेल खाता है, परंतु यह ज़्यादा व्यवहारिक व होशपूर्ण होते हैं। ये बिना किसी औपचारिकता के किसी भी माहौल एवं वातावरण में सरलता से घुल मिल जाते हैं। ये लोग जितनी ऊर्जा व उत्साह से कार्य शुरू करते हैं, उसी ऊर्जा व लगन से उसे अंजाम तक नहीं पहुंचा पाते। दूसरों से ये सय स्वभाव व इज्जत की उम्मीद रखते हैं।

# होली पर जानिए, क्या है पूजन का सही तरीका

**होलिका** दहन होने के बाद होलिका में जिन वस्तुओं की आहुति दी जाती है, उनमें कच्चे आम, नारियल, भुट्टे या सप्तधान्य, चीनी के बने खिलौने, नई फसल का कुछ भाग है। सप्तधान्य हैं गेहूं, उड़द, मूंग, चना, जौ, चावल और मसूर। होलिका दहन की प्रामाणिक पूजन विधि होलिका दहन करने से पहले होली की पूजा की जाती है। इस पूजा को करते समय पूजा करने वाले व्यक्ति को होलिका के पास जाकर पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके बैठना चाहिए। पूजा करने के लिए क्या सामग्री प्रयोग करना चाहिए-

एक लोटा जल, माला, रोली, चावल, गंध, पुष्प, कच्चा सूत, गुड़, साबुत हल्दी, मूंग, बताशे, गुलाल, नारियल आदि का प्रयोग करना चाहिए। इसके अतिरिक्त नई फसल के धान्यों जैसे पके चने की बालियां व गेहूं की बालियां भी सामग्री के रूप में रखी जाती हैं।

इसके बाद होलिका के पास गोबर से बनी ढाल तथा अन्य खिलौने रख दिए जाते हैं। होलिका दहन मुहूर्त समय में जल, मौली, फूल, गुलाल तथा ढाल व खिलौनों की चार मालाएं अलग से घर से लाकर सुरक्षित रख ली जाती हैं।

इनमें से एक माला पितरों के नाम की, दूसरी हनुमानजी के नाम की, तीसरी शीतलामाता के नाम की तथा चौथी अपने घर-परिवार के नाम की होती है।

कच्चे सूत को होलिका के चारों ओर तीन या सात परिक्रमा करते हुए लपेटना होता है। फिर लोटे का शुद्ध जल व अन्य पूजन की सभी वस्तुओं को एक-एक करके होलिका को समर्पित किया जाता है। रोली, अक्षत व पुष्प को भी पूजन में प्रयोग किया जाता है। गंध-पुष्प का प्रयोग करते हुए पंचोपचार विधि से होलिका का पूजन किया जाता है। पूजन के बाद जल से अर्घ्य दिया जाता है। अगले दिन रंगों का पर्व उत्साह से मनाया जाता है।

# प्रह्लाद बनकर

## धर्म की रक्षा करें

रंगभरा मौज-मस्ती का लोकप्रिय त्योहार होली है, जिसे वैदिक यज्ञ भी कहा जाता है। प्राचीनकाल में वर्षभर यज्ञ अनुष्ठान चलते थे, जिनका प्रयोजन आनंद और उल्लासमय वातावरण की सृष्टि करना होता था। होलिका दहन इसी परंपरा का संवाहक वैदिक यज्ञ है।

**होलिका की कथा-** होलिका दहन की प्रचलित कथा सभी जानते हैं कि प्रह्लाद की धर्मवृत्ति के कारण पिता हिरण्यकशिप ने अपनी बहन होलिका को, जिसे अग्नि का वरदान पाप्त था, अग्नि में प्रह्लाद को गोद में लेकर बैठने को कहा, जिससे प्रह्लाद जल जाए और होलिका बच जाए, किंतु प्रभु तो सर्वत्र भक्त के रक्षक हैं, वे भला धर्मरक्षक प्रह्लाद को जल जाने कैसे देते? भक्त प्रह्लाद बच गए और होलिका जल गई।

**एकता के प्रतीक पर्व-** होली एकता का प्रतीक पर्व है, जहां वर्ण, जाति को भुलाकर राजा-रंक सभी त्योहार की धूम में मस्त हो जाते हैं। जैसे नीला, पीला, लाल और गुलाबी, सभी रंग एक साथ मिलकर एक नए रंग में बदल जाते हैं, जो किसी विशेष रंग का परिचायक नहीं होता। किंतु कुछ लोग रंगों में कीचड़, तेजाब मिला देते हैं। ऐसी परिस्थिति में ही तो धर्म की रक्षा के लिए प्रह्लाद समान भक्त को जन्म लेना पड़ता है।

*संसार में जब द्वेष की होली जलेगी,*
*तब हमें प्रह्लाद तो होना ही पड़ेगा,*
*जानते तो झूठ कब तक जी सकेगा,*
*सत्य के आधार पर जब तक रहेगा।*
*अन्याय की सीमा अभी पूरी हुई है,*
*अब उन्हें अभिमान खोना ही पड़ेगा।*

**धर्म की रक्षा-** इससे हमें दृष्टि मिलती है, जब अन्याय सीमा लांघ जाता है, तब विरोध का स्वर फूट पड़ता है। यह फूट का स्वर पहले घर में ही उठता है, तभी हिरण्यकशिप के घर में धर्म का विरोध हुआ। ईश्वरीय सत्ता का खंडन किया गया। स्वयं को भगवान कहने वाले हिरण्यकशिप के घर खंभे से प्रकट हो प्रभु ने नृसिंह अवतार ले अधर्मी हिरण्यकशिप का वध कर धर्मस्वरूप भक्त बालक की रक्षा की। अन्याय-अत्याचार से प्रजा को मुत किया। आज भी हमें इतिहास से सीख लेनी होगी। समाज को बचाने के लिए प्रत्येक बालक को प्रह्लाद बनना होगा, तभी देश तथा धर्म की रक्षा संभव है।

**पर्व का संदेश-** संसार धर्म की राह पर चलते-चलते धर्ममय हो जाए, सारे जातीय भेदभाव समाप्त हो जाएं, तो विभिन्नता में एकता स्थापित करने वाली हमारी संस्कृति स्वयं रक्षित हो जाएगी। हमें अपनी संस्कृति की मौलिकता को जानना-समझना होगा, तभी हम जनजीवन को उसका परिचय दे सकेंगे। प्रत्येक पर्व में अर्थ भरा हुआ है, जो हमें जीवन जीने की सीख देता है।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com